राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

वर्ष 15, अंक 25 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, बुधवार 26 नवंबर 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

गुरुद्वारा जाने से इनकार करने पर क्रिश्चियन आर्मी अफसर बर्खास्त, सुप्रीम कोर्ट बोला- ऐसा व्यक्ति फोर्स में रहने लायक नहीं

नई दिल्ली। देश की सर्वोच्च अदालत ने मंगलवार को भारतीय सेना के पूर्व लेफ्टिनेंट सैमुअल कमलेसन की बर्खास्तगी को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया। कमलेसन को अपने यूनिट गुरुद्वारे में सेवा (सेवा/परेड-ड्यूटी का हिस्सा) करने से इनकार करने पर नौकरी से निकाला गया था। याचिका को खारिज करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह मिलिट्री में रहने के लायक नहीं है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि सैन्य बलों में अनुशासन और आदेश पालन सर्वोच्च होते हैं, और कोई भी अधिकारी व्यक्तिगत विश्वास का हवाला देकर आदेश की अवहेलना नहीं कर सकता। उन्होंने कहा, 'वह कैसा मैसेज दे रहा है?

अयोध्या में फहरा धर्म ध्वजा, रामायण कालीन परंपरा का वैदिक ध्वजारोहण, राष्ट्र बना साक्षी

अभिजीत मुहूर्त में ध्वजारोहण, वैदिक मंत्रों से गुंजा अयोध्या

अयोध्या (एजेंसी)। श्री राम जन्मभूमि मंदिर में मंगलवार का दिन इतिहास में दर्ज होने वाला क्षण बन गया, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंदिर के मुख्य शिखर पर 161 फीट की ऊंचाई पर भव्य धर्म ध्वजा फहराकर रामायण कालीन आध्यात्मिक परंपरा को सजीव कर दिया। ध्वजारोहण प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही अभिजीत मुहूर्त में पूरे परिसर में शंखनाद, वैदिक मंत्रोच्चार और घंटियों की ध्वनि गूंज उठी, जिसने वातावरण को पूर्णत: आध्यात्मिक बना दिया। आधुनिक तकनीक के प्रयोग के साथ यह ध्वजारोहण परंपरा और नवाचार के उत्कृष्ट संगम का प्रतीक दिखाई दिया। जैसे ही प्रधानमंत्री मोदी ने बटन दबाया धर्म ध्वज धीरे-धीरे ऊपर चढ़ने लगा।

इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारी। ध्वज शिखर पर पहुंचते ही प्रधानमंत्री मोदी ने श्रद्धा से भगवान श्रीराम के प्रति निष्ठा प्रकट की। एक ऐसा दृश्य जिसने श्रद्धालु समुदाय में गरिमा और गौरव का भाव भर दिया।

धर्म ध्वजा के बारे में बताते हुए ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देवगिरी महाराज ने कहा कि यह ध्वजा पूरी तरह रघुवंशी परंपराओं के अनुरूप तैयार की गई है। वाल्मीकि रामायण में वर्णित परंपराओं से प्रेरित इस ध्वजा में तीन पवित्र प्रतीक शामिल हैं। उन्होंने बताया कि सूर्य सत्य, प्रकाश और धर्म का शाश्वत प्रतीक है।

ओम अनादि-अनंत ब्रह्मांडीय ऊर्जा का और कोविदार वृक्ष विजय और समृद्धि का द्योतक है। भगवा रंग की यह ध्वजा धर्म-संरक्षण, तपस्या और त्याग का प्रतिनिधित्व करती है। ध्वजा की लंबाई 22 फीट और चौड़ाई 11 फीट है। इसे संभालने वाला ध्वजदंड 42 फीट ऊंचा है, जिसमें 10 फीट संरचना के भीतर और 32 फीट बाहर स्थित है। ध्वज 360 डिग्री घूमने वाली विशेष चैंबर पर स्थापित है और यह 60 किमी प्रति घंटे तक की हवा की गति को सहन कर सकता है।

मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने मंदिर की वास्तुकला पर प्रकाश डालते हुए बताया कि नागर शैली में निर्मित यह भव्य मंदिर 380 फीट लंबा और 250 फीट चौड़ा है। तीन मंजिला इस मंदिर की प्रत्येक मंजिल 20 फीट ऊंची है, जबकि कुल 392 स्तंभ और 44 प्रवेश द्वार इसकी भव्यता को और बढ़ाते हैं। रामायणकालीन गाथाओं की अनुगूंज लिए यह मंदिर कला, परंपरा और आस्था का पवित्र स्थल बन चुका है।

धर्म ध्वज के आरोहण के दौरान लाखों की संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं के गगन भेदी जय श्री राम के उद्घोष ने समग्र वातावरण को भक्ति भाव से भर दिया। यह वही वातावरण था, जो 22 जनवरी 2024 को प्राण-प्रतिष्ठा के समय देखने को मिला था। वैदिक ऊर्जाओं और श्रद्धा की तरंगों से भरा यह क्षण अयोध्या की चिरंतन पहचान और सनातन परंपरा का प्रमाण बन गया। ध्वजारोहण के साथ श्री राम मंदिर न केवल आध्यात्मिक धरोहर के रूप में, बल्कि सांस्कृतिक चेतना के प्रतीक के रूप में भी विश्व पटल पर अवस्थित हो गया है।

छत्तीसगढ़ देश का सबसे भरोसेमंद और तेज़ी से उभरता औद्योगिक गंतव्य - सीएम साय

दिल्ली में आयोजित इन्वेस्टर कनेक्ट कार्यक्रम में 3,000 से ज्यादा रोजगार का खुला रास्ता

नई दिल्ली/ रायपुर (समय दर्शन)। राजधानी दिल्ली आयोजित इन्वेस्टर कनेक्ट कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ को अभूतपूर्व निवेश प्रस्ताव मिले। स्टील, ऊर्जा और पर्यटन सहित विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख कंपनियों ने राज्य में उद्योग स्थापित करने, क्षमता विस्तार, होटल निर्माण और वेस्ट-टू-एनर्जी प्रोजेक्ट के लिए रुचि दिखाई। कार्यक्रम में शामिल कंपनियों ने कुल 6321.25 करोड़ के औद्योगिक निवेश और 505 करोड़ का पर्यटन निवेश का प्रस्ताव दिया है। इन परियोजनाओं से आगामी वर्षों में 3,000 से अधिक रोजगार अवसर सृजित होने की उम्मीद है। इस निवेश प्रस्ताव के साथ अब तक छत्तीसगढ़ को कुल 7.90 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। दिल्ली स्थित होटल द ललित में आज आयोजित कार्यक्रम में स्टील और टूरिज़्म सेक्टर को केंद्र में रखते हुए नए निवेश अवसरों पर फोकस किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने उद्योग जगत के प्रमुख निवेशकों, विशेषज्ञों और उद्योग प्रतिनिधियों ने छत्तीसगढ़ में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की एवं स्टील और टूरिज़्म सेक्टर की कई कंपनियों को निवेश प्रस्ताव पत्र सौंपे। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन, पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल, भारत सरकार के केमिकल और उर्वरक मंत्रालय के सचिव अमित अग्रवाल, इस्पात मंत्रालय के सचिव संदीप पौंडरिक भी उपस्थित रहे।

पहली कैबिनेट में रोजगार पर फोकस, 25 चीनी मिलें होंगी स्थापित

एनडीए सरकार के गठन के बाद कैबिनेट की पहली बैठक आयोजित की

पटना (एजेंसी)। बिहार में एनडीए की नई सरकार गठित होने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में कैबिनेट की पहली बैठक आयोजित की गई। मुख्य सचिवालय में मंगलवार को आयोजित इस बैठक में 10 एजेंडों पर मुहर लगी। सरकार ने विधानसभा चुनाव के दौरान जारी किए गए अपने घोषणा-पत्र के मुद्दों को अमलीजामा पहनाना शुरू कर दिया है। इसके अंतर्गत आगामी 5 वर्ष के दौरान 1 करोड़ युवाओं को रोजगार और सरकारी नौकरी देने की कार्ययोजना को अमलीजामा पहनाया गया है। कैबिनेट में लिए तमाम निर्णयों की जानकारी मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने सूचना भवन के सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में दी।

मुख्य सचिव ने बताया कि सरकार ने राज्य में रोजगार के अवसर बढ़ाने और उद्योगों के विस्तार को नई दिशा देने के लिए तेजी से पहल शुरू कर दी है। सात निश्चय-2 के तहत वर्ष 2020 से 2025 के बीच 50 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी एवं रोजगार उपलब्ध कराया जा चुका है। आगामी पांच वर्षों (2025-30) में 1 करोड़ युवाओं को नौकरी एवं रोजगार देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। बिहार की बड़ी युवा आबादी को ध्यान में रखते हुए यह व्यवस्था की गई है

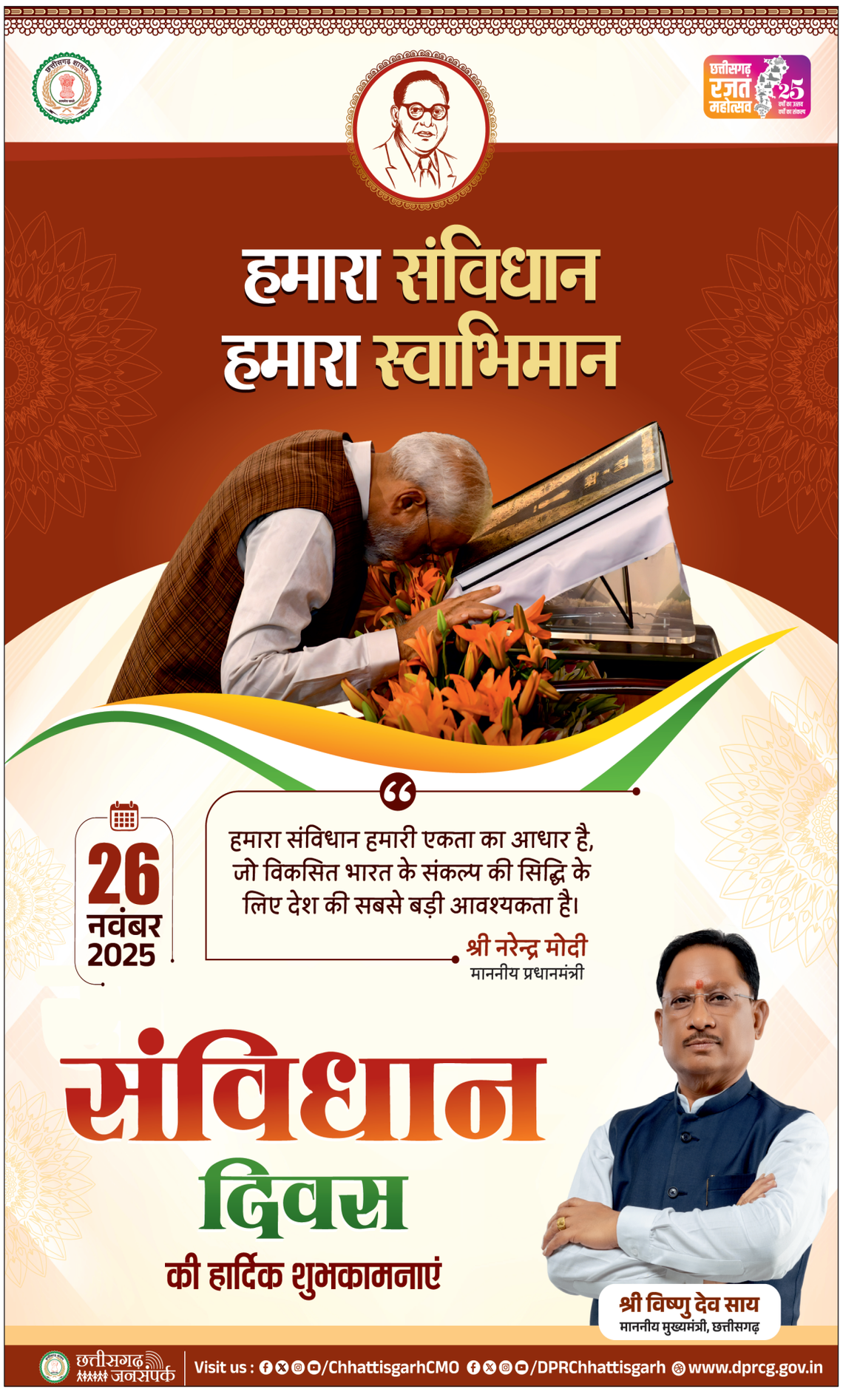

भुईयां पोर्टल हैक कर 36 लाख का लोन घोटाला, 7 गिरफ्तार, एक नाबालिग भी शामिल

भिलाई (समय दर्शन)। दुर्ग जिले के नंदिनी नगर थाना क्षेत्र में भुईयां पोर्टल के रिकॉर्ड से छेड़छाड़ कर फर्जी तरीके से भारतीय स्टेट बैंक से 36 लाख रुपए का लोन लेने का बड़ा मामला सामने आया है। आरोपियों ने सरकारी जमीनों के ऑनलाइन राजस्व अभिलेख में बदलाव कर नए खसरा नंबर तैयार किए और उसी के आधार पर बैंक से लोन हासिल किया। मामला सामने आने पर तहसीलदार की शिकायत पर पुलिस ने 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें एक नाबालिग भी शामिल है।

तहसीलदार राधेश्याम वर्मा ने 13 अगस्त को थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि ग्राम अछोटी और मुरमुंडा के भुईयां सॉफ्टवेयर में अज्ञात लोगों ने हैकिंग कर छेड़छाड़ की और नंदिनी नगर स्थित स्टेट बैंक शाखा से 36 लाख का लोन ले लिया।

जांच में पता चला कि आरोपी दीनुराम यादव और उसके साथियों ने फर्जी दस्तावेज बनाकर बैंक से लोन लिया और तत्काल ही रकम को कई खातों में ट्रांसफर कर दिया। इसमें से 20 लाख 26 हजार 547 रुपए नंदकिशोर साहू के खाते में जमा हुए।

जमीनों के रिकॉर्ड में की गई छेड़छाड़

आरोपियों ने मुरमुंडा, अछोटी, बोरसी और चेटूवा गांवों की जमीनों का बटांकन कर फर्जी खसरा नंबर दर्ज किए। सरकारी जमीनों का रकबा बढ़ाकर अलग-अलग बैंकों से लोन लेने की कोशिश की गई। मामले में बीएनएस की धारा 318(4), 338, 336(3), 340(2), 3(5) और आईटी एक्ट की धाराएं लगाई गई हैं।

कई जिलों में फैल चुका था नेटवर्क

जांच में सामने आया कि आरोपी एनके साहू, अमित कुमार मौर्य और गणेश तंबोली पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं। उनसे पूछताछ में आरोप लगा कि अशोक उरांव (जांजगीर-चांपा) पटवारी का यूजर आईडी, पासवर्ड और ओटीपी उपलब्ध कराता था। अशोक उरांव ने खुलासा किया कि मुरमुंडा पटवारी के नाबालिग सहायक को संजय वर्मा ने लालच देकर लॉगिन क्रेडेंशियल्स हासिल किए। इसके बाद रायपुर के कोमल साहू के जरिए कौशल फेकर, ओमप्रकाश निषाद, देवानंद साहू और शिवचरण कौशल जैसे कंप्यूटर ऑपरेटरों को जोड़कर ऑनलाइन फर्जीवाड़ा किया जाता था।

आरोपी शिवचरण कौशल के खिलाफ इसी तरह के मामले कोरबा जिले के कोरबी चौकी और पसान थाना में भी दर्ज हैं। पुलिस ने इसे संगठित अपराध मानते हुए बीएनएस की धारा 111(2) और 61(2) भी जोड़ी है। सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। अशोक उरांव की निशानदेही पर अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी भी की गई है।

संक्षिप्त-खबर

कलिंगा सोशल वेलफेयर के तहत चार दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ

किरंदुल (समय दर्शन)। एनजीओ कलिंगा सोशल वेलफेयर के तत्वावधान में चार दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ किरंदुल प्रकाश विद्यालय स्थित ग्राउंड मैदान में किया गया। ग्रामीण स्तर की खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कलिंगा सोशल वेलफेयर द्वारा पिछले 06 वर्षों से प्रतिवर्ष इस कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा हैं।इस बार कुल 30 टीमों ने हिस्सा लिया।प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर सभी अतिथियों ने श्रीफल फोड़कर मुकाबलों की शुरुआत की।नगर के भारी संख्या में जुटे दर्शकों के बीच उद्घाटन मैच बॉयज हॉस्टल किरन्दुल और कड़मपाल ए टीम के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ,जिसमें कर्मपाल ए की टीम विजयी रहीं।इस दौरान मुख्य अतिथि दंतेवाड़ा विधायक चैतराम अटामी,विशिष्ट अतिथि किरंदुल पालिका अध्यक्ष रूबी शैलेंद्र सिंह, राजेंद्र सक्सेना,अरुण शर्मा,रामकृष्ण बैरागी,एस एच अज़हर,सोशल वेलफेयर संस्था प्रमुख रवि कुमार दुर्गा, महासचिव किशोर जाल,तनु क्षत्रिय,लखन दुर्गा तथा भारी संख्या में दर्शकगण उपस्थित थे।

ग्राम पंचायत रंगटिया में मितानिन दिवस धूमधाम से मनाया गया

बसना(समय दर्शन)। बसना ब्लाक के ग्राम पंचायत रंगटिया में मितानिन दिवस बड़े उत्साह और सम्मान के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन ग्राम पंचायत भवन प्रांगण में किया गया, जहाँ बड़ी संख्या में मितानिन बहनें, ग्रामीण महिलाएँ, जनप्रतिनिधि एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद पंचायत प्रतिनिधियों ने सभी मितानिनों का स्वागत तिलक और पुष्पगुच्छ देकर किया। वातावरण उत्साह और उल्लास से भरा रहा।कार्यक्रम में वक्ताओं ने मितानिन बहनों के कार्यों और उनके सामाजिक योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मितानिन गाँव की प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ हैं।स्वास्थ्य जागरूकता, टीकाकरण, पोषण, गर्भवती महिलाओं की देखभाल, बच्चों के स्वास्थ्य और जन-जागरूकता में मितानिनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।ग्राम के सरपंच और स्वास्थ्य विभाग के कार्यकर्ताओं ने बताया कि मितानिनों के प्रयासों से गाँव में स्वच्छता, पोषण, और महिला स्वास्थ्य में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।मितानिन दिवस के अवसर पर सक्रिय और उत्कृष्ट कार्य करने वाली मितानिन बहनों को सामान्य उपहार एवं शॉल

देकर सम्मानित किया गया। सम्मान पाकर मितानिन बहनें भावुक और उत्साहित दिखीं। ग्रामीणों की सहभागिता गाँव के लोगों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कई ग्रामीण महिलाओं ने मितानिनों के कारण अपने जीवन में आए सकारात्मक बदलावों को साझा किया, जिससे कार्यक्रम और भी प्रेरणादायक बन गया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ जहाँ सभी मितानिनों को उनके नि:स्वार्थ सेवाभाव के लिए पुन: बधाई दी गई।

भीम आर्मी जिला इकाई सारंगढ बिलाईगढ़ द्वारा देश के अन्नदाता क्षेत्र के किसानों से संबंधित धान खरीदी एवम् अन्य समस्या को लेकर ज्ञापन ज्ञापन सौंपा गया

सारँगढ़ (समय दर्शन)। टारजन महेश-देश के अन्नदाता क्षेत्र के किसानों से संबंधित धान खरीदी एवम् अन्य समस्या को लेकर ज्ञापन भीम आर्मी जिला इकाई सारंगढ बिलाईगढ़ द्वारा अपर कलेक्टर को अवगत करवाया और निम्न मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। मांगों में समस्त सहकारी समिति केंद्रों में सरकार और प्रशासन द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार धान खरीदी सुनिश्चित किया जाना चाहिए,इससे अधिक तौल पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए। कई सहकारी समिति केंद्रों में मंडी प्रबंधक द्वारा सरकार द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार खरीदी नहीं किया जाता हैं उस पर जांच के उपरांत कार्यवाही किया जाए. समस्त किसानों को सेवा सहकारी समिति में बरदाना (बोरा) उपलब्ध कराए जाए. किसानों के एग्री स्टेक जैसे समस्या को जल्द से जल्द टिक किया जाए. किसानों का रकबा संशोधन की समस्या को सरलतम रूप से सुधारा जाए. भीम आर्मी का कहना हैं कि यदि देश के अन्नदाता क्षेत्र के किसानों का समस्या को जल्द से जल्द हल नहीं करती हैं तो हम इस मुद्दे को लेकर भीम आर्मी जिला इकाई और समस्त किसान बंधुओं द्वारा आंदोलन करने में बाध्य होगी।

खाती में हुआ नवोदय विद्यालय मॉक टेस्ट का आयोजन

साजा (समय दर्शन)। क्षेत्र के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धात्मक भावना विकसित करने एवं जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा 2026 की प्रभावी तैयारी के उद्देश्य अनुसार रविवार 23 नवंबर को नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा हेतु मॉक टेस्ट आयोजित की गई। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खाती में मॉक टेस्ट आयोजित हुई। परीक्षा में कुल 93 विद्यार्थियों ने भाग लिया । सभी विद्यार्थियों ने उत्साह एवं अनुशासन के साथ भाग अपनी-अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया। परीक्षा पूर्ण होने के बाद परीक्षा परिणाम जारी किया गया, जिसमें ग्राम अकोला के मेधावी छात्र डेकेश्वर साहू ने उत्कृष्ट प्रदर्शन प्राप्त कर प्रथम स्थान पर रहे। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए छात्र डेकेश्वर साहू को सम्मानित कर प्रोत्साहित किया गया , जिससे अन्य विद्यार्थियों में भी प्रेरणा एवं उत्साह का संचार हुआ।

परीक्षा के पश्चात् विद्यार्थियों की गणितीय कौशल को मजबूत करते हुए प्रश्न पत्र में आये 20 महत्वपूर्ण गणितीय प्रश्नों को ट्रिक एवं सरल विधि द्वारा हल करने का विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। यह मार्गदर्शन शासकीय प्राथमिक शाला खाती प्रधान पाठक धर्मेंद्र कुमार देवांगन द्वारा अत्यंत सरल एवं रोचक शैली में प्रदान किया गया।जिसका विद्यार्थियों ने जमकर लाभ उठाया। विद्यार्थियों ने इस सत्र की सराहना की। मॉक टेस्ट आयोजन की सफल बनाने में शिक्षकगण कांता कुमार साहू, मधु यादव, गिरवर सिंह ध्रुव, जितेंद्र सेठ, यादरम साहू, अगम दास मारकंडे एवं भवानी नेताम का विशेष सहयोग एवं सक्रिय सहभागिता उल्लेखनीय रहा। साथ ही संपूर्ण कार्यक्रम के संचालन, योजना एवं मार्गदर्शन में प्राचार्या के. नागवंशी एवं संकुल समन्वयक खाती डी आर सेवैये का महत्वपूर्ण एवं प्रेरणादायी योगदान रहा। इनके नेतृत्व में यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

सरपंचों का होने वाला है साल पूरा,, पंचायतों का विकास अब भी अधुरा, विकास के नाम पहरा सन्नाटा

सारंगढ़ बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। टारजन महेश -ग्राम पंचायत चुनाव को अब कुछ दिनों में एक साल हो जायेगे,और नए सरपंच भी अपनी 5 साल के कार्यालय में एक साल पूरा कर जायेगे लेकिन आज सवाल पंचायत चुनाव या सरपंच के बीत रहे एक साल का नहीं है सवाल है आखिर जनता उन्हें सरपंच क्यों चुनती है और इन बीतते साल में सरपंचों ने क्या कर पाया ?

इस बात को एक अनपढ़ भी भली भांति जनता है कि ग्राम पंचायत और ग्रामवासियों की मूलभूत सुविधाओं को पूरा करने जनता किसी उम्मीदवार को जिताती है लेकिन आज एक साल बीतने को है लेकिन ग्राम पंचायतो की विकास कार्यों मानो ग्रहण लगा हुआ है चुनाव के दौरान सरपंचों ने जनता से बिजली, पानी,सड़क, स्वक्षता,जैसे तमाम वादे जनता से किए लेकिन आज भी सरपंच उन्हें पूरा नहीं कर पा रहे जिसकी वजह से सरपंचों की छवि ग्राम वासियों की बीच धूमिल हो रहा जनता अब कहने लगी सब जितने से पहले वादे करते है जितने के बाद सब भूल जाते इस तरह की चर्चा सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के तमाम ग्राम पंचायतों में अक्सर जनता की जुबानी सुनने को मिल रहा है ,और जनता क्यों न पूछे सवाल ,क्यों न हो चर्चा,होनी भी चाहिए ?

सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिला ग्राम पंचायत विकास कार्यों से कोसों दूर

सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले की बात करे तो अब तक महज कुछ ही ग्राम पंचायत के सरपंच होगे जिन्हें अपने गांव में विकास कार्यों को पूरा करने का अवसर मिला हो ओ भी गिने चुने लेकिन मिला भी तो कितना महज 10 से 15 लाख ओ भी जिनके भाग्य अच्छे थे वहीं बाकी पंचायतों की बात करे तो किसी को 5 या 10 लाख तक के ही विकास कार्यों मिली या तो बहुत से ग्राम पंचायत ऐसे भी है जिनको कुछ नहीं मिला, विकास कार्यों को कराने पंचायत प्रतिनिधि कभी बीडीएस के पास लेटर पैड लेकर पहुंच रहे तो, कभी डीडीसी, कभी जनपद पंचायत तो कभी जिला पंचायत तो कभी कलेक्टर दफ्तर यहां तक कि कुछ ने तो विधायक, संसद से लेकर मंत्री मुख्यमंत्री तक विकास कार्य की लेटर लेकर मांग कर चुके लेकिन न जाने कितने महीने बीत चुके विकास कार्यों की फाइल गुम किस राह में भटक गया की कभी उनके ग्राम पंचायत तक नहीं पहुंचा विकास कार्यों में मानो ग्रहण लग चुका है जिसकी वजह से सरपंच मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है जनता सवाल पूछ रही कहा है विकास सरपंच धीरे आवाज में जनता को दे रहे अवश्वान की यहां यहां फाइल दिए है आएगा विकास होगा लेकिन असल में तो सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले में विकास कार्यों की स्थिति ठीक नहीं चल रही।

मनरेगा से मद तक खाली

ग्राम पंचायत का विकास करने के लिए कई तरह की योजनाओं और मद है लेकिन आज एक साल होने को है सब ठप पड़ा हुआ हैं न तो मनरेगा में ग्राम पंचायतों को काम मिल रहा और न ही किसी मद से वही पिछले पंचायत का आकलन करे तो मनरेगा से मद तक भरपूर काम ग्राम पंचायतो को मिला जबकि महामारी की कहर से गुजरा था लेकिन अब तो उससे भी बत्तर हाल हो चुका है जहां कोरोना महामारी में भी विकास कार्य का स्तर जितना नीचे नहीं गिरा उससे ज्यादा तो आज गिरता जा रहा है पहले तो मनरेगा से पंचायत करोड़ो के काम कर लेते थे अब तो मनरेगा में भी विकास कार्य का धीरे धीरे गायब होता जा रहा है मद तो दूर की बात है फिलहाल अभी वर्तमान में पंचायत और सरपंचों का हाल बेहाल है कर्ज के तले दबे हुए है।

डबल इंजन की सरकार में विकास कार्यों तेज नहीं?

वहीं राज्य और केंद्र दोनों में ही भाजपा की सरकार है लेकिन विकास कार्यों की गति बहुत धीमी चल रही प्रदेश में अन्य जिलों की क्या स्थिति ये तो नहीं बता सकते लेकिन सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले में विकास की गति काफी धीमी नजर आ रही जबकि डबल इंजन की सरकार है जब चुनाव हुआ भाजपा की सरकार प्रदेश में बनी तो सरपंचों को लगा था कि अब विकास की दिशा में तेजी से काम होगा लेकिन सोच से विपरीत चल रहा हालांकि हर क्षेत्र में विकास की गति धीमी है ऐसा नहीं कहा जा सकता सरकार भारी भरकम बजट धान खरीदी, और महतारी वंदन और प्रधानमंत्री आवास योजना में सरकार का बजट बहुत भारी है लेकिन इन्हें छोड़कर बाकी क्षेत्र में गति धीमी जरूर नजर आ रहा है जिसका असर ग्राम पंचायत में देखने को मिल रहा है लेकिन अभी एक साल बीतने को है बाकी 4 साल बचे है उम्मीद है कि आगमी दिनों में विकास की गति तेज होगी और जनताओं को मूलभूत सुविधाओं के लिए भटकना नहीं पड़ेगा

सिरपुर के लक्ष्मण मंदिर में आयोजित किया गया विश्व धरोहर सप्ताह का आयोजन

महासमुंद(समय दर्शन)। जिले के सिरपुर में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण रायपुर मण्डल के द्वारा सात दिवसीय (19 से 25 नवंबर) विश्व धरोहर सप्ताह का आयोजन किया गया है। जिसका समापन आज हुआ । भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण रायपुर मण्डल द्वारा लक्ष्मण मंदिर परिसर में छाया चित्र प्रदर्शनी लगाया गया है, जो लोगो के आकर्षण का केन्द्र बना हुआ था । छाया चित्र प्रदर्शनी में विश्व के संरक्षित 71 धरोहर के छाया चित्र लगाये गये थे। जिसमें दुर्गा मंदिर चैतुरगढ़ लाफा कोरबा, भीम कीचक मंदिर बिलासपुर, प्रागैतिहासिक शैल गुफा एवं शैलचित्र मध्यप्रदेश, स्तूप नं3 सॉची, मध्यप्रदेश, महादेव मंदिर नारायणपुर आदि का छाया चित्र लगा हुआ था । विश्व धरोहर सप्ताह के दौरान विभिन्न स्कूलों में पेंटिंग, क्यूज प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था और प्रतियोगिता में प्रथम , द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले छात्र- छात्राओं को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जी एल रायकवार उप निदेशक (रि) संचालनालय संस्कृति एवं पुरातत्व छत्तीसगढ़ ने पुरस्कार वितरण किया । समापन कार्यक्रम में स्कूली बच्चो ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्याक्रम की प्रस्तुति दी। छाया चित्र पदर्शनी देखने आये शासकीय वल्लभाचार्य

तकोत्तर विद्यालय की छात्रा छाया साहू ने बताया कि हमें जानकारी नही थी कि हमारे सांस्कृतिक कार्याक्रम की प्रस्तुति दी । छाया चित्र प्रदर्शनी देखने आये शासकीय वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर विद्यालय की छात्रा छाया साहू ने बताया कि हमें जानकारी नही थी कि हमारे विश्व में कितने पुराने एतिहासिक महत्व की धरोहर है ।

जिला व राज्य स्तरीय युवा उत्सव का गाईड लाईन

महासमुन्द(समय दर्शन)। राज्य के युवाओं को कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में अधिक से अधिक अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से राज्य शासन के द्वारा युवा उत्सव का आयोजन जिला एवं राज्य स्तर पर किया जाना है। प्रतिभागियों का पंजीयन माई भारत पोर्टल में किया जाना है। एक प्रतिभागी किसी भी स्तर के प्रतिस्पर्धा हेतु केवल 01 विद्या में भाग ले सकेगा। 01 प्रतिभागी एक से अधिक विधाओं में सम्मिलित नहीं हो सकते।

आयोजन का स्तर जिला स्तर पर 24 नवम्बर से 05 दिसंबर 2025 के मध्य, राज्य स्तरीय युवा उत्सव 22 से 24 दिसम्बर संभावित है। जिसे प्रतिभागियों के लिए आयु वर्ग 15 से 29 वर्ष तक तथा संगतकारों का 18 से 40 वर्ष तक निर्धारित है। सम्मिलित विधाओं में लोकनृत्य, पंथी नृत्य, राउत नाचा, सुआ नृत्य, करमा नृत्य, लोक गीत में 10-10 प्रतिभागी शामिल होंगे। इसी तरह वाद-विवाद, नवाचार (साइंस मेला), पारंपरिक वेशभूषा में 02-02, कहानी लेखन, चित्रकला, कविता लेखन में 01-01, एकांकी मे 12, रॉक बैंड में 10 विजेता प्रतिभागी राज्य स्तर पर शामिल होंगे।

जिले के प्रतिभागी /कलाकार जिनकी उम्र 15 से 29 वर्ष हो वह जिला स्तरीय युवा उत्सव में शामिल हो सकेंगे। समस्त प्रतिभागियों को माई भारत पोर्टल में पंजीयन किया जाना आवश्यक है। जिला प्रशासन तथा खेल युवा कल्याण महासमुन्द द्वारा जिला स्तरीय युवा उत्सव 4-5 दिसम्बर 2025 (संभावित) को महासमुन्द में आयोजित होगा। आयोजन प्रभारी कलेक्टर एवं नोड्ल अधिकारी खेल अधिकारी होंगे। अधिक जानकारी के लिए खेल अधिकारी 96175-00748 से संपर्क किया जा सकता है।

भारत सरकार द्वारा निर्धारित विधाओं (लोकनृत्य, लोकगीत, चित्रकला, वाद-विवाद एवं कविता लेखन) में चयनित प्रतिभागी/दल राष्ट्रीय युवा उत्सव में राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे। राष्ट्रीय युवा उत्सव का आयोजन 10 से 12 जनवरी 2025 को नई दिल्ली में किया जाना है।

प्रदेश के प्रयात रोबोटिक एवं लैपरोस्कोपिक सर्जन डॉ. संदीप दवे 29 नवंबर को अग्रवाल नर्सिंग होम बसना में

रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल, रायपुर के डायरेक्टर डॉ.संदीप दवे की टीम अब अग्रवाल नर्सिंग होम बसना में

बसना(समय दर्शन)। डॉ. संदीप दवे प्रदेश के वरिष्ठ एवं प्रख्यात लैपरोस्कोपिक सर्जनों में से एक हैं। वे प्रदेश के पहले लैपरोस्कोपिक सर्जन के रूप में प्रसिद्ध हैं, जिन्होंने अपने करियर में हजारों सफल लैपरोस्कोपिक सर्जरी कर नए-नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। इसके साथ ही, उन्होंने अब तक 500 से भी अधिक सफल रोबोटिक सर्जरी कर प्रदेश में उन्नत रोबोटिक सर्जरी का एक नया अध्याय लिखा है।

इस विशेष शिविर में निम्न सर्जरी की जाएंगी-

हर्निया,गॉल ब्लैडर स्टोन,अपेंडिक्स, लिवर ,बच्चेदानी से संबंधित सर्जरी,पेट में गाँठ,सिस्ट,ट्यूमर तथा सभी प्रकार की पेट से संबंधित जनरल एवं एडवांस्ड लैपरोस्कोपिक सर्जरी की समुचित सुविधाएं उपलब्ध। 27 नवंबर तक अपनी जांच एवं पंजीयन अनिवार्य रूप से करा लें।

स्थान: अग्रवाल नर्सिंग होम, बसना, **समय:** सुबह 10 बजे से, संपर्क - डॉ अमित अग्रवाल 7773086100, 8461811000.

शास.महावि. बसना में जनजातीय समाज का गौरवशाली अतीत विषय पर संगोष्ठी

बसना(समय दर्शन)। शासकीय महाविद्यालय, बसना के प्राचार्य डॉ एस के साव के निर्देशन में महाविद्यालय में दिनाँक 25/11/2025 को जनजातीय समाज का गौरवशाली अतीत विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी का प्रारंभ दीप प्रज्वलित कर मां भारती, रानी दुर्गावती, बिरसा मुंडा, शहीद वीर नारायण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों एवं स्थानीय समुदाय को जनजातीय समाज की समृद्ध परंपरा, मूल्यों और सांस्कृतिक धरोहर से परिचित कराना था।

बता दें कि एकदिवसीय संगोष्ठी की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एस के साव द्वारा की गई। मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित यज्ञ राम सिदार ने जनजातीय समाज की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सामाजिक संरचना, जीवन शैली, आध्यात्मिक विश्वासों तथा उनके प्रकृत्ति-आधारित ज्ञान-विज्ञान पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला।

प्राचार्य डॉ. एस. के. साव ने अपने उदबोधन में कहा कि जनजातीय गौरव दिवस हर साल 15 नवंबर को मनाया जाता है, जो आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में है। यह दिन देश के जनजातीय समदायों के समद्ध सांस्कतिक विरासत. परंपराओं और

भारत के निर्माण में उनके योगदान का सम्मान करता है। यह दिन जनजातीय इतिहास को बढ़ावा देने और भारत के विभिन्न जनजातीय नायकों के बलिदान और संघर्ष को याद करने के लिए मनाया जाता है।

मुख्य वक्ता के रूप में पधारे शासकीय महाविद्यालय सरायपाली के राजनीति विज्ञान के सहायक प्राध्यापक उपेंद्र बरिहा ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम को संथाल, तामार, कोल, भील, खासी और मिज़ो जैसे आदिवासी समुदायों के कई आंदोलनों ने मज़बूत किया। आदिवासी समुदायों द्वारा आयोजित क्रांतिकारी आंदोलन और संघर्ष उनके अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान से चिह्नित थे। ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध देश के विभिन्न क्षेत्रों में हुए आदिवासी आंदोलन राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ गए और पूरे देश में भारतीयों को प्रेरित किया।

अंत में कार्यक्रम के मुख्य वक्ता यज्ञ राम सिदार व उपेंद्र बरिहा को प्राचार्य द्वारा मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के जन जातीय प्रभारी डॉ सी. बखला, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी एन के प्रधान, क्रीड़ा प्रभारी विजय कठाने, अजय जलक्षत्री, संतोष कुमार घृत लहरे, आदित्य रंजन कानूनगो (जनजातिय समाज का गौरवशाली अतीत कार्यक्रम के संभाग प्रभारी) एवं विद्यार्थीगण उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का संचालन अर्थशास्त्र के सहायक प्राध्यापक विजय कठाने ने किया।

एशियन पेंट्स ने बीसीसीआई को बनाया पार्टनर, बने भारतीय क्रिकेट टीम के आधिकारिक कलर पार्टनर

यह एसोसिएशन अगले तीन वर्षों तक पुरुष, महिला और घरेलू क्रिकेट को करेगा कवर

रायपुर। पूरे देश में क्रिकेट की धूम मची हुई है, ऐसे में भारत के अग्रणी पेंट और डेकॉर ब्रांड, एशियन पेंट्स गर्व महसूस कर रहा है कि अब वो भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के साथ भारतीय क्रिकेट का आधिकारिक कलर पार्टनर बन चुका है। यह तीन साल का सहयोग भारत में खेली जाने वाली सभी पुरुष, महिला और घरेलू श्रृंखलाओं को कवर करेगा, जिसमें 110 से ज़्यादा मैच होंगे। यह सहयोग एशियन पेंट्स के क्रिकेट के साथ जुड़ाव को और मज़बूत करता है, जो क्रिकेट के हर रंग को 1.4 अरब दिलों से जोड़ता है।

दशकों से भारतीय घरों में रंगों, रचनात्मकता और भावनाओं को सेलिब्रेट करने वाले एक ब्रांड के रूप में, एशियन पेंट्स अब देश के सबसे बड़े जुनून 'क्रिकेट' से जुड़ रहा है और अपनी उपस्थिति का विस्तार कर रहा है। यह प्रभावशाली सहयोग रंग और क्रिकेट से जुड़ी भावना पर आधारित है जिसमें प्रेरणा और अभिव्यक्ति दोनों ही है और यही भाव पूरे भारत के फैन्स को एकजुट करता है। एशियन पेंट्स और इंडियन क्रिकेट दोनों ही सच्चे लीडरशिप का प्रतीक हैं क्योंकि दोनों ही अपने साहसिक निर्णयों और वाइब्रेंट एक्सप्रेशन के लिए जाने जाते हैं। यह मजबूत साझेदारी अरबों दिलों को जोड़नेवाले रंगों को सेलिब्रेट करती है।

इस साझेदारी पर बात करते हुए, एशियन पेंट्स लिमिटेड के एम.डी. और सी.ई.ओ., श्री अमित सिंगल ने कहा, क्रिकेट अरबों दिलों को जोड़ता है और हम बीसीसीआई के साथ एक ऐसे मंच परसाझेदारी करके रोमांचित हैं जो इस भावना को जीवंत करता है। एशियन पेंट्स में हम हमेशा सेरंगों की शक्ति में विश्वास करते रहे हैं जो लोगों के जीने के तरीके, महसूस करने और खुद कोअभिव्यक्त करने के तरीके को आकार देती है और यह साझेदारी इस विश्वास को और मज़बूत करतीहै। बीसीसीआई के साथ हमारी साझेदारी एक नए रोमांचक अध्याय की शुरुआत करती है। जहांहम रंगों की दुनिया को भारत के सबसे पसंदीदा खेल के केंद्र में लाते हैं। आधिकारिक कलर पार्टनर

के रूप में, हम फैन्स और कस्टमर्स के साथ सार्थक तरीके से जुड़ना चाहते हैं, ताकि क्रिकेट की भावना और ऊर्जा को सेलिब्रेट कर सकें और खेल के हर पल में और ज़्यादा खुशी और जीवंतता जोड़ सकें। एशियन पेंट्स में हमारा मानना ??है कि घर सिर्फ़कोई जगह नहीं हैं, बल्कि यह वो स्थान हैं जहां 1.4 अरब सपने एक साथ खिलखिलाते और खुशियां मनाते हैं। इतने सारे लोगों के जुनून में हम रंग का असली मकसद जान चुके हैं और वो है कनेक्शन यानी जुड़ाव। हमारे यह कई तरह के दिलचस्प जुड़ाव क्रिकेट के साथ हमारे कनेक्शन को सबसे रंगीन बना देंगे।

बीसीसीआई प्रवक्ता, श्री देवजीत सैकिया ने कहा, भारतीय क्रिकेट के आधिकारिक कलर पार्टनर के रूप में एशियन पेंट्स का स्वागत करते हुए हमें खुशी हो रही है। लोगों के जीवन में रंग और भावनाएं भरने की एशियन पेंट्स की विरासत भारतीय क्रिकेट की भावना के साथ पूरी तरह मेल खाती है। हम साथ मिलकर देश भर के प्रशंसकों के लिए यादगार अनुभव बनाने के लिए तत्पर हैं।

एशियन पेंट्स की पार्टनरशिप आकर्षक ऑन-ग्राउंड और डिजिटल एक्टिविटीज़ की एक सीरीज़ के माध्यम से जीवंत होगी, जिसमें स्टेडियम के अनुभवों से लेकर फैन्स के इंगेजमेंट कैंपेन तक - सभी भारत के क्रिकेट के जोश को सेलिब्रेट करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। पहली बार आप द एशियन पेंट्स कलर कैम नाम का एक फैन कैम देखेंगे जो सबसे कलरफुल फैन्स को सेलिब्रेट करेगा। यह पहला फैन कैम दर्शकों को काफ़ी आकर्षित करेगा और एक-एक करके क्रिकेट में रंग जोड़ेगा। इसके अलावा, ब्रांड एक कलर काउंटडाउन भी शुरू करेगा, जिसमें दर्शकों के लिए 'कलर और होम डेकॉर ट्रेंड्स' दिखाए जाएंगे, जो फैन्स के दिलों और घरों में जगह बनाएंगे। एशियन पेंट्स अपने मीडिया, डीलर और कस्टमर टचपॉइंट्स के माध्यम से इस जुड़ाव को और भी मज़बूत करेगा, जिससे क्रिकेट द्वारा एक नए मंच के तौर पर लाखों भारतीयों के साथ अपने भावनात्मक रिश्ते को और मज़बूत करेगा।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव से की सौजन्य मुलाकात

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव से सौजन्य मुलाकात की। बैठक के दौरान छत्तीसगढ़ में रेलवे से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों रेल सुविधाओं के विस्तार, नए रेल प्रोजेक्ट्स की प्रगति, तथा प्रगतिरत परियोजनाओं की पूर्णता के संबंध में विस्तृत और सार्थक चर्चा हुई।मुख्यमंत्री श्री साय ने आग्रह किया कि स्वीकृत परियोजनाओं को समयबद्ध रूप से पूरा किया जाए, ताकि नागरिकों, उद्योगों और व्यापारियों को बेहतर परिवहन सुविधाएँ मिल सकें। केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि रेलवे मंत्रालय छत्तीसगढ़ में कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध कुमार सिंह, सचिव श्री राहुल भगत, एवं वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के सचिव श्री रजत कुमार उपस्थित थे।

मोटोरोला ने सिर्फ 12,999 में बेस्ट बजट फोन moto g57 POWER लॉन्च किया

नईदिल्ली। मोटोरोला, मोबाइल टेक्नोलॉजी में ग्लोबल लीडर और भारत का अग्रणी एआई स्मार्टफोन ब्रांड, ने आज 12,999 रुपये में अपना सर्वश्रेष्ठ बजट फोन moto g57 POWER लॉन्च करने की घोषणा की। यह डिवाइस शक्तिशाली दुनिया के पहले स्नैपड्रैगन 6s जेन 4 प्रोसेसर के साथ बजट श्रेणी को फिर से परिभाषित करता है, जो श्रेणी में सर्वोत्तम परफॉर्मेंस और मल्टी-टास्किंग के लिए है, इसमें बेहतरीन फोटोग्राफी अनुभव के लिए सेगमेंट का सर्वश्रेष्ठ 50MP सोनी LYTIA™ 600 कैमरा, स्लिमर डिजाइन के लिए सेगमेंट की सबसे अधिक 7000mAh सिलिकॉन कार्बन बैटरी दी गई है । साथ ही, सेगमेंट का सबसे अधिक टिकाऊपन कॉर्निंग गोरिल्ला ग्लास 7i और MIL-810H के साथ दिया गया है, और एक बेहतरीन 6.72 120H5 FHD+ डिस्प्ले भी है, यह सब कुछ अल्ट्रा-प्रीमियम पैंटोन™ क्यूरेटेड वेगन लेदर डिजाइन में दिया गया है। आधुनिक और दुनिया के पहले स्नैपड्रैगन 6s जेन 4 प्रोसेसर (4nm) से संचालित, moto g57 POWER दुनिया का पहला स्मार्टफोन है जिसमें यह प्रोसेसर है, यह श्रेणी में सबसे बढ़िया परफॉर्मेंस और धमाकेदार तेज स्पीड प्रदान करता है। यह अल्ट्रा-स्मूथ मल्टीटास्किंग और लैग-फ्री गेमिंग सुनिश्चित करता है। इन-बिल्ट 8GB RAM के साथ, RAM बूस्ट 4.0 के साथ 16GB तक एक्सपेंडेबल, कुल 24GB के लिए, और 128GB UFS 2.2 स्टोरेज, हर ऐप तुरंत लॉन्च होता है और आसानी से चलता है। 11 5G बैंड्स और Wi-Fi 6 के सपोर्ट के साथ, moto g57 POWER सुपर-फास्ट, विश्वसनीय कनेक्टिविटी प्रदान करता है, जो उपयोगकर्ताओं को आज की हाइपर-कनेक्टेड दुनिया में आगे रखता है। मोटो g57 POWER में सेगमेंट का सर्वश्रेष्ठ 50MP सोनी LYTIA™ 600 सेंसर फिट है, जो उच्च-गुणवत्ता वाली तस्वीरें और वीडियो कैप्चर करता है, जिसमें बढ़ी हुई लाइट सेंसिटिविटी के साथ बेहतरीन परफॉर्मेंस और अंधेरे वातावरण में कम नॉइज होता है। कैमरा सिस्टम में सेगमेंट का सबसे अधिक 8MP अल्ट्रावाइड कैमरा और एक 2- इन-1 एम्बिएंट सेंसर भी शामिल है, जो रीयल-टाइम में रंग, स्पष्टता और लाइटिंग को बढ़ाता है।

मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने 'ब्राइड्स ऑफ इंडिया' कैंपेन का ग्रैंड 15वां एडिशन लॉन्च किया, जो भारत की विविध ब्राइडल विरासत का उत्सव मनाता है

रायपुर। हर भारतीय दुल्हन अपने साथ भावनाओं की एक दुनिया लेकर चलती है — वे रस्में जिन्हें देखते हुए वह बड़ी हुई है, वह संस्कृति जिससे वह जुड़ी है, वे यादें जो उसके करीब हैं और आभूषण जो उसके जीवन के सबसे महत्वपूर्ण दिनों में से एक पर उसकी पहचान का हिस्सा बन जाते हैं। दुनिया की सबसे बड़ी सोने और हीरे की रिटेल चेन में से एक, मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने भारत के समृद्ध सांस्कृतिक संरचना में दुल्हन के आभूषणों के महत्व को लंबे समय से समझा है। ब्राइडल रेंज में वे डिज़ाइन शामिल हैं जिन्हें मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने सोच-समझकर चुना, गढ़ा और विकसित किया है, ऐसे आभूषण जो पवित्रता, उद्देश्य और उत्कृष्ट कारीगरी के साथ तैयार किए गए हैं और हर दुल्हन की परंपराओं का सम्मान करते हैं। ब्राइडल क्राफ्ट्समैनशिप में गहरी विशेषज्ञता के साथ, ब्रांड ने देश भर में दुल्हनों की विशिष्ट परंपराओं का सम्मान करने वाले डिजाइन बनाने में एक बेजोड़ विरासत का निर्माण किया है। इस वर्ष के संस्करण में 22 दुल्हनें और 10 सेलिब्रिटी शामिल हो रही हैं - आलिया भट्ट, करीना कपूर खान, एनटीआर, कार्थी, अनिल कपूर, श्रीनिधि शेट्टी, रुक्मिणी मैत्रा, सब्यसाची मिश्रा, प्रार्थना बेहेरे और मानसी पारेख, जो अभियान के पैमाने, विविधता और भावनात्मक गहराई को दर्शाते हैं।

Brand Film URL: https://www.youtube.com/watch?v=CvWvEkLfGHy

फिल्म का निर्देशन अभिषेक वर्मन ने किया है और संगीत शुभाजीत मुखर्जी ने तैयार किया है, जो एक दृश्य और संगीतमय कहानी को एक साथ लाता है जो भारत की कई दुल्हन संस्कृतियों के सार को पकड़ता है और हर दुल्हन की कहानी को आकार देने वाले अनुष्ठानों, भावनाओं और विरासत का जश्न मनाता है। 15वें संस्करण के महत्व के बारे में पूछे जाने पर, मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के अध्यक्ष, श्री एम. पी. अहमद ने कहा: प्रत्येक वर्ष, ब्राइड्स ऑफ इंडिया अभियान इस देश की दुल्हनों के प्रति हमारी सम्मानपूर्ण अभिव्यक्ति है और 15वां संस्करण हमारे लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। हमने इस बात पर प्रकाश डाला है कि कैसे दुल्हनें अपनी अभिव्यक्ति लाते हुए परंपराओं का सम्मान करती हैं। यह संस्करण उन परंपराओं की गहराई का जश्न मनाता है - यादें, अनुष्ठान और रिश्ते जो उन्हें परिभाषित करते हैं। भारत की विविधता का उत्सव: मलाबार गोल्ड एंड डायमंड का ब्राइड्स ऑफइंडिया अभियान हमेशा से भारतीय ब्राइडल परंपराओं की असाधारण विविधता का सम्मान करता आया है।

जलभराव क्षेत्र निर्माण कार्य से ग्रामीणों के जीवन में हुआ उल्लेखनीय परिवर्तन

रायपुर । मनेन्द्रगढ़-भरतपुर-चिरमिरी जिले के ग्राम पंचायत मुसरा के ग्राम पूटाडांड में मनरेगा अंतर्गत किए गए सामुदायिक जलभराव क्षेत्र निर्माण कार्य ने ग्रामीणों के जीवन में उल्लेखनीय परिवर्तन लाया है। लंबे समय से यहां के किसान वर्षा-आधारित खेती पर निर्भर थे और पानी की कमी, पथरीली भूमि तथा अनियमित वर्षा के कारण उनकी फसल उत्पादन क्षमता लगातार प्रभावित हो रही थी। खेती की अनिश्चितता के चलते ग्रामीणों की आजीविका भी चुनौतीपूर्ण होती जा रही थी।

गांव के किसानों और ग्रामीणों की लगातार मांग पर ग्राम सभा ने इस कार्य को प्राथमिकता दी और प्रस्ताव स्वीकृति के लिए भेजा। तकनीकी परीक्षण और योजना निर्माण के बाद ग्राम पंचायत मुसरा द्वारा 8.49 लाख रुपये की लागत से जलभराव क्षेत्र का निर्माण कराया गया। इस संरचना ने गांव में जल संरक्षण का नया द्वार खोला-खेतों तक पानी पहुँचने लगा, फसल उत्पादन में सुधार हुआ और ग्रामीणों के बीच आजीविका के प्रति नया भरोसा विकसित हुआ।

परियोजना पूर्ण होने के बाद ग्राम पूटाडांड के किसानों ने पहली बार लगभग 7 एकड़ भूमि में उत्कृष्ट धान उत्पादन प्राप्त किया। संरक्षित जल ने खरीफ फसल को समय पर सिंचाई उपलब्ध कराई, जिससे उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। पहले जहाँ किसान सिंचाई के अभाव में फसल बचाने के लिए चिंतित रहते थे, वहीं अब वे आत्मविश्वास के साथ रबी फसल की भी तैयारी कर रहे हैं। गांव में कृषि गतिविधियों की निरंतरता बढ़ी है और खेती अब अधिक टिकाऊ एवं लाभदायक बनी है।

यह जलभराव संरचना सिर्फ खेती तक सीमित नहीं रही- ग्रामीणों के पशुधन के लिए पेयजल उपलब्ध हो रहा है। गर्मी के दिनों में जल संकट काफी हद तक कम हुआ है। खेतों में नमी टिकने से भूमि की गुणवत्ता में भी सुधार हुआ है। मनरेगा के माध्यम से निर्माण चरण में स्थानीय रोजगार भी सुनिश्चित हुआ। इससे ग्राम में कृषि उत्पादकता, आजीविका सुरक्षा और सामाजिक सहयोग तीनों में सकारात्मक परिवर्तन दिखाई दे रहा है।

सामुदायिक निर्णय, सामूहिक श्रम और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन ने यह सिद्ध कर दिया कि जब गांव स्वयं विकास की बागडोर संभालता है, तो परिणाम न सिर्फ स्थायी होते हैं बल्कि दूरगामी भी। मनरेगा अंतर्गत निर्मित यह जलभराव संरचना आज ग्राम पूटाडांड की- उन्नत कृषि, बेहतर सिंचाई, रोजगार सृजन और आजीविका संवर्धन की सशक्त मिसाल बन चुकी है।

दिल्ली में शुरू हुआ 'छत्तीसगढ़ इन्वेस्टर कनेक्ट' सम्मेलन

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार का महत्वपूर्ण निवेशक सम्मेलन छत्तीसगढ़ इन्वेस्टर कनेक्ट आज नई दिल्ली में प्रारम्भ हो गया है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय पहुँचे और उन्होंने उद्योग जगत के प्रमुख प्रतिनिधियों से मुलाक़ात का क्रम प्रारंभ कर दिया है। इस आयोजन में स्टील क्षेत्र, पर्यटन उद्योग और अन्य प्रमुख सेक्टरों के नामी उद्योगपति तथा विभिन्न कंपनियों के शीर्ष अधिकारी शामिल हो रहे हैं। राज्य सरकार का उद्देश्य देश भर के निवेशकों के समक्ष छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति, उभरते अवसरों और निवेशअनुकूल वातावरण को प्रभावी रूप से प्रस्तुत करना है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय निवेशकों से सीधे संवाद कर रहे हैं तथा उन्हें राज्य में उद्योग स्थापित करने के लिए उपलब्ध सुविधाओं, स्थिर एवं पारदर्शी नीति, तेज़ी से विकसित होते इंफ्रास्ट्रक्चर तथा सरल और समयबद्ध प्रक्रियाओं के बारे में विस्तार से अवगत करा रहे हैं।

बिहान से जुड़कर निर्मला के जीवन में आया सकारात्मक बदलाव

रायपुर । जहां चाह वहां राह यह उक्ति साकार हो रही है. राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' की हितग्राही विकासखण्ड फरसगांव के ग्राम पंचायत चरकई की जय श्री राम स्व सहायता समूह की सदस्य निर्मला शोरी सफलता की नई कहानी लिख रही है। समूह के माध्यम से कृषि कार्य के साथ किराना दुकान का संचालन कर आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार कर रही है। इन गतिविधियों से उनकी सालाना आय 01 लाख 20 हजार रूपए तक पहुंच गई है।

स्व सहायता समूह जय श्री राम स्वसहायता समूह की सचिव निर्मला शोरी जो गांव चरकई की रहने वाली है, समूह से जुड़ने के बाद उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। वे न केवल स्वयं आत्मनिर्भर हुई हैं, बल्कि अपने पूरे परिवार की आजीविका को चलाने में सक्षम हुई हैं। निर्मला को समूह के माध्यम से 15 हजार रूपए की आएफराशि और 60 हजार सीआईएफराशि प्राप्त हुई है। इस प्रकार निर्मला को समूह से कुल 75 हजार रूपए की अनुदान राशि एवं ऋण राशि प्राप्त हुई है। उनके द्वारा कृषि कार्य, किराना दुकान, सब्जी उत्पादन जैसे आजीविका गतिविधियां की जा रही है।

समूह से जुड़ने से पहले निर्मला कृषि मजदुरी करती थी। पहले उनकी परिवार की आय 40 हजार रूपए सालाना था। समूह से जुड़ने के बाद कृषि के साथ किराना दुकान का संचालन शुरू किया, जिससे उनकी आमदनी में बढ़ोत्तरी हुई। वे धान व मक्के की खेती से उन्हें 50 हजार रूपए, किराना दुकान से लगभग 50 हजार रूपए और सब्जी उत्पादन से लगभग 20 हजार रूपए की राशि सहित निर्मला शोरी को सालाना लगभग 01 लाख 20 हजार रूपए की सालाना आमदनी हो रही है। विभिन्न आजीविका गतिविधियों से निर्मला आत्मनिर्भर बनने के साथ-साथ अब दोगुनी आय प्राप्त कर रही है, जिससे वे अपने परिवार का बेहतर पालन पोषण करने में सक्षम हुई है और उनके परिवार की जीवन स्तर में सुधार आया है। इसी तरह शासन की एनआरएलएम जैसे पहल से ग्रामीण महिलाओं को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है और इसके सकारात्मक परिणाम भी सामने आ रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा महिलाओं को लखपति दीदी बनाने की जो पहल की गई है, उससे कई ग्रामीण महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त होकर आत्मनिर्भरता की राह में निरंतर आगे बढ़ रही हैं।

झालखम्हरिया में कमारडेरा तक सड़क निर्माण,बढ़ा विकास का दायरा

रायपुर। महासमुंद जिले के पिछड़े और आदिवासी बाहुल्य विलुप्त प्रजाति कमार परिवारों के सामाजिक-आर्थिक उत्थान के लिए ग्राम झालखम्हरिया में प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान के तहत स्वीकृत विकास परियोजनाएँ ग्राम के भविष्य को नई दिशा दे रही हैं। इन्हीं परियोजनाओं में से एक है 83 लाख रुपए की लागत से बनी टी-01 झालखम्हरिया से कमारडेरा तक 1.60 किमी सड़क, जिससे ग्रामीण जीवन में परिवर्तन की झलक दिखाई दे रहा है।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान का उद्देश्य दूरस्थ, निर्जन और मूलभूत सुविधाओं से वंचित आदिवासी गांवों को शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, आजीविका और सामाजिक सुरक्षा जैसी सुविधाओं से जोड़ना है। इस अभियान के माध्यम से कमार जैसे विलुप्तप्राय समुदायों तक विकास का लाभ सीधे पहुंच रहा है।

पहले मुख्य मार्ग से कटा यह पारा अब 2-3 आसपास के गांवों से सड़क मार्ग द्वारा जुड़ चुका है। इससे शादी-विवाह, धार्मिक आयोजन और मेला-मंडई में भागीदारी बढ़ेगी। गांवों के बीच सामाजिक संपर्क मजबूत होगा। सड़क बनने से गांव के बच्चों और युवाओं को अब प्राथमिक, माध्यमिक और महाविद्यालय तक पहुँचने में सहुलियत हो रही है। वर्षा ऋतु में भी अब स्कूल-कॉलेज जाना संभव हो रहा है। जिससे शिक्षा के प्रति विद्यार्थियों में रुचि बढ़ी है। पहले स्वास्थ्य केंद्र तक पहुँचना कठिन था, परंतु अब गर्भवती महिलाओं को प्रसूति सुविधा समय पर मिल पाएगी।

बीमार व्यक्तियों को तत्काल प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराने में आसानी होगी। मातृ-शिशु मृत्यु दर में कमी आने की संभावना बढ़ी है। टीकाकरण और स्वास्थ्य अभियान अब गांव तक सहज पहुँच पा रहे हैं। किसानों को कृषि उपज एवं दुग्ध उत्पादन तथा अन्य दैनिक वस्तुओं के लेनदेन के लिए मुख्यालय तक ले जाने के लिए आवागमन की सुविधा आसान हो गया है, जिससे ग्रामीण व्यापार एवं कुटीर उद्योग में वृद्धि हो सकेगी। कमारडेरा के अतिरिक्त आसपास के अन्य ग्रामों के कृषि उपज, दुग्ध उत्पादन, मछली पालन तथा मजदूरी करने के लिए ग्रामवासियों को आवागमन की सुविधा मिलने से ग्राम में आर्थिक समृद्धि आएगी। शासन की कल्याणकारी योजनाएं अब गांव में सकारात्मक परिवर्तन ला रही है।

कमारपारा निवासी श्री रामसिंह कमार बताते है कि गांव में सड़क न होने के कारण रोजमर्रा के कार्य कठिन हो जाते थे। बच्चों को स्कूल भेजना, फसल बाजार तक पहुँचाना और मरीजों का अस्पताल जाना चुनौतीपूर्ण था। बारिश के समय हालात और भी खराब हो जाते थे। पीएम जनमन योजना की पक्की सड़क ने गाँव को मुख्य मार्ग से जोड़ दिया है। अब स्कूल, अस्पताल और बाजार तक पहुँचना आसान और सुरक्षित हो गया है। किसान अपनी फसल आसानी से बाजार तक ले जा सकते हैं। सड़क ने हमारे जीवन में सुधार और सुविधा लाने में अहम भूमिका निभाई है, जिससे जीवन पहले से अधिक सुगम हो गया है।

संपादकीय

देश में फिर मंडराता आतंक का साया

पाकिस्तान को सबक सिखाने के क्या माध्यम हमारे पास हैं? ऑपरेशन सिंदूर को जिस तरह बीच में रोक दिया गया, उससे सवाल ज्यादा गंभीर हो गए हैं। बिना इनका जवाब दिए देश में आश्वस्ति का वातावरण नहीं बनाया जा सकेगा। दिल्ली में लाल किले के पास कार विस्फोट से ठीक पहले सुरक्षा बलों ने फरीदाबाद में एक बड़े 'आतंकवादी मॉड्यूल' का भंडाफोड़ करने का दावा किया। बताया गया कि उस मॉड्यूल के तार कश्मीर तथा उत्तर प्रदेश में सहारनपुर तक फैले हुए थे। उसके तार आतंकवादी संगठनों जैश-ए-मोहम्मद और अंसार ग़ज़वातुल हिंद से जुड़े थे। इस मॉड्यूल के सक्रिय होने का सूचना सुरक्षा बलों को तब मिली, जब एक मेडिकल डॉक्टर की श्रीनगर में जैश के समर्थन में पोस्टर लगाने के इल्जाम में गिरफ्तारी हुई। तो सोमवार दोपहर फरीदाबाद में छापेमारी के दौरान 2,900 किलोग्राम विस्फोटक और हथियार पकड़े जाने की चर्चा से सनसनी फैली। उसके कुछ घंटे पहले गुजरात से खबर आई थी कि वहां आतंकवाद विरोधी दस्ते ने तीन संदिग्ध आतंकवादियों को पकड़ा है। लाल किले के पास विस्फोट इसी के बाद हुआ, जो हर लिहाज से लोगों को हिला देने वाला था। तो जाहिर है, तुरंत इस घटना को आतंकवाद से जोड़ कर देखा गया। हालांकि सुरक्षा बलों ने तुरंत इसकी पुष्टि करने से इनकार किया, लेकिन वारदात के बाद से मीडिया में आईं सूचनाओं ने ऐसे संदेह को और गहरा ही बनाया है। इन घटनाओं से देश में आतंक का साया फिर मंडराता महसूस होने लगा है। गुजरे 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोवाल ने एक भाषण में कहा था कि जम्मू-कश्मीर को छोड़ बाकी पूरे देश को दहशतगर्दी से मुक्त करा दिया गया है। उनके उस बयान से जो आश्वस्ति का संदेश मिला, उसे ताजा घटनाओं से गहरा झटका लगा है। इसी बीच आतंक की हर घटना के तार पाकिस्तान से जुड़े की चर्चा स्वाभाविक रूप से होती है और ताजा मामलों में भी ऐसा होने की स्थिति है। मगर सवाल है कि आतंक के संचालकों को अपने देश में ऐसे लोग क्यों मिल जाते हैं, जो उनके मकसद पूरे करते हैं? और फिर पाकिस्तान को सबक सिखाने के क्या माध्यम हमारे पास हैं? ऑपरेशन सिंदूर को जिस तरह बीच में रोक दिया गया, उसके बाद ऐसे सवाल ज्यादा गंभीर हो गए हैं। बिना इनका जवाब दिए देश में आश्वस्ति का वातावरण नहीं बनाया जा सकेगा।

एसआईआर को लेकर पश्चिमी बंगाल में भगदड़ क्यों हो रही है

अजय दीक्षित

मतदाता सूची गहन परीक्षण को लेकर पश्चिमी बंगाल में भगदड़ मच गयी है, भारी संख्या में संदेहास्पद लोग पश्चिमी बंगाल छोड़कर बांग्लादेश, बिहार, ओडिशा चोरी छिपे जा रहे हैं।यह सिलसिला पूरे प्रदेश से हो रहा है।जबकि चुनाव आयोग की मशीनरी ने 99 फीसदी मतदाताओं को एस आई आर के फॉर्म उपलब्ध करा दिए हैं ये फॉर्म बीएलओ के पास पांच दिसम्बर 2025 तक जमा होने है ताकि कंप्यूटर में दर्ज हो जाए। उल्लेखनीय है कि अभी पश्चिमी बंगाल में सात करोड़ छियासत लाख मतदाता सूचियों में दर्ज है। दूसरी ओर पश्चिमी बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और राहुल गांधी वोट चोरी रैली 22 नवंबर को कोलकाता में आयोजित कर रहे हैं। पश्चिमी बंगाल में चुनाव आयोग, केंद्रीय गृह मंत्रालय और राज्य सरकार आमने सामने आ गए हैं। राज्य सरकार की मशीनरी असहयोग पर उतारू है। बताया जाता है कि पश्चिमी बंगाल में 15 से 20 फीसदी मतदाता सूचियों में से हट सकते हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्य सरकार को सूचित किया है कि गांव गांव फर्जी आधार कार्ड, बीपीएल कार्ड, भारी संख्या में जलाए जा रहे हैं। कोलकाता से प्रकाशित हिंदुस्तान टाइम्स ने अपने 14 नवम्बर के अंक में फ्रंट पेज पर लिखा है कि हाऊ इट इस पॉसिबल इस रिपोर्ट में जगह जगह आग में अधजले आधार कार्ड, बीपीएल कार्ड के चित्र है। सूत्रों के मुताबिक अकेले मुशिदाबाद जिले में दो लाख फर्जी मतदाता है और अन्य जिलों में तो और भी अधिक है। आइबी रिपोर्ट के मुताबिक लोग मतदाता सूचियों में से हटाए जाने और उसके बाद डिपोर्ट किए जाने से डरे हुए हैं। वास्तविक दृश्य और भी भयाभय है क्योंकि यह सब राज्य सरकार की मर्जी से हो रहा था। आजादी के बाद से पहले बांग्लादेश से लोग पलायन कर रोजगार की तलाश में भारत आए और यह सिलसिला 70 के दशक में तेज हुआ । विशेषकर मुस्लिम समाज के लोग लगातार आते रहे। तत्कालीन समय में सरकार के पास एक राशन कार्ड ही प्रमाण पत्र था जो नागरिकता को सत्यापित करता था पूरे देश में यही प्रणाली थी । पश्चिमी बंगाल में तब कांग्रेस का शासन होता था और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी मुख्य विपक्षीय दल था । लेकिन 1977 में सीपीआई से अलग होकर सीपीएम ने सत्ता हस्तांतरण कर लिया। बताया जाता है उसके बाद सीपीएम ने अपना वोट बैंक बनाने के लिए शरणार्थी को नागरिक बनाने के लिए राशन कार्ड, बीपीएल कार्ड, दिए। उसके चलते सीपीएम 2011 तक सत्ता में रही और अब तक पूरे बंगाल में एक करोड़ मुस्लिम शिफ्ट हो गए। 2011 के बाद यही तबका तुड़मूल कांग्रेस में चला गया। लेकिन 2014 के बाद भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने खोजबीन शुरू की और एजेंसीज को लगाया गया।2021 के विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने सर्वाधिक 74 सीट जीती थी और तब ही मालूम हुआ कि एक तबका जो भारतीय नहीं है वह फर्जी मतदाता सूचियों में दर्ज है। इस लिए भगदड़ मच गयी है कि अब भारत में रहना आसान नहीं है क्योंकि केंद्रीय गृह मंत्रालय राष्ट्रीय नागरिक कानून बना रहा है और जो लोग गैर भारतीय है उन्हे डिपोर्ट किया जाएगा। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी,राहुल गांधी इस लिए वोट चोरी रैली निकाल रहे हैं कि उनका कोर मतदाता सूचियों से विलोपित हो रहा है और डिपोर्ट करने से वे अधिक परेशान हैं लेकिन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि जो भारतीय नहीं है वह इस देश के लोग के हितों पर कब्जा कर रहा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी तो बेगानी शादी में अब्दुल्ला दीवाना है क्योंकि पश्चिमी बंगाल में ममता बनर्जी ने कांग्रेस को एक भी सीट देने से इनकार कर दिया है। बांग्लादेश के जो हालत हैं उससे वहां और पश्चिमी बंगाल के हिंदू बहुत परेशान हैं क्योंकि उनके रिश्तेदार बांग्लादेश में रहते हैं।

गले में स्टेथोस्कोप, मन में जहर, खतरनाक है आतंकवाद का बदलता रूप

योगेश कुमार गोयल

भारत को अब जिस नए तरह के आतंक का सामना करना पड़ रहा है, वह सीमा-पार से नहीं बल्कि क्लासरूम, लैब और अस्पतालों के भीतर से जन्म ले रहा है। आतंकवाद का रूप अब बदल चुका है। वह अब सीमापार की घुसपैठ, जंगलों में छिपे गिरोहों या हथियारबंद टुकड़ियों तक सीमित नहीं है बल्कि इसकी जड़ें उन सफेदपोश और शिक्षित लोगों तक पहुंच चुकी हैं, जिन्हें समाज सम्मान की दृष्टि से देखता था। आतंक का नया चेहरा वह है, जो लैब कोट पहनता है, रिसर्च पेपर लिखता है, अस्पताल में ड्यूटी करता है, मेडिकल कॉलेज में पढ़ता है और आईटी कंपनियों में काम करता है। यही है 'व्हाइट कॉलर टेरर', जो भारत की सुरक्षा के लिए सबसे बड़ी और सबसे खतरनाक चुनौती बन गया है। 'व्हाइट कॉलर टेरर' यानी शिक्षित, तकनीकी दक्ष और समाज में सम्मानित वे लोग, जो कट्टरपंथ की डिजिटल फैक्ट्रियों में वाहक बनते जा रहे हैं। दिल्ली के लाल किले के पास विस्फोट और डॉक्टरों के बड़े मॉड्यूल का पकड़ा जाना इस नई साजिश का सबसे भयानक संकेत है। ये न आतंकी दिखते हैं, न किसी पर संदेह होता है। लाल किले के पास कार में हुए विस्फोट में 11 लोग मारे गए और कई घायल हुए। विस्फोटक कार के चालक की पहचान जब सामने आई तो देश स्तब्ध रह गया क्योंकि वह कोई अपराधी, कोई पुराना संदिग्ध या किसी गिरोह का सदस्य नहीं बल्कि डॉक्टर था। पुलवामा का रहने वाला युवक उमर मोहम्मद उन तीन डॉक्टरों का साथी निकला, जिनके पास से फरीदाबाद में लगभग 3000 किलो विस्फोटक और हथियार बरामद हुए थे। यह कोई साधारण संयोग नहीं बल्कि एक बेहद गहरी और सुनियोजित आतंकवादी साजिश की परतें खोलने वाला तथ्य है।

डॉक्टर मुजम्मिल, डॉक्टर आदिल और डॉक्टर शाहीन, ये तीनों उस गिरोह के केंद्र में थे, जो देश की राजधानी में बड़े पैमाने पर जनसंहार की योजना बना रहा था। इन सभी की प्रोफैशनल पहचान ने इतना मजबूत आवरण तैयार कर दिया था कि कोई इन्हें शक की निगाह से देख ही नहीं सकता था। इसी मॉडल का चौथा सदस्य डॉक्टर मोहिउद्दीन गुजरात पुलिस के आतंकवाद-निरोधक दस्ते की गिरफ्त में आया। चीन से मेडिसिन की पढ़ाई कर लौटे इस युवक को राइसिन जैसा घातक जहर तैयार करते हुए पकड़ा गया, जो एक ही बार में सैंकड़ों लोगों की जान ले सकता था। यह घटनाएं पहली नहीं हैं लेकिन निश्चित रूप से सबसे खतरनाक हैं। पुणे का डॉक्टर अदनान अली सरकार हो या बेंगलुरु की बहुराष्ट्रीय कंपनी में कार्यरत इंजीनियर अथवा आईटी प्रोफैशनल्स, पिछले एक दशक में कई उच्च शिक्षित लोग आतंकी संगठनों के लिए काम करते हुए पकड़े जा चुके हैं। ऑनलाइन पहचान छिपाने के लिए फर्जी नाम, छद्म प्रोफाइल, एन्क्रिप्टेड चैट और डार्क वेब समूहों का इस्तेमाल अब इनका सामान्य हथियार बन चुका है। आइएस, अल-कायदा या छोटे स्थानीय मॉड्यूल, ये सभी इस नए वर्ग को अपनी 'बौद्धिक सेना' बनाने में सक्रिय हो चुके हैं।

यह धारणा अब पूरी तरह मिथ्या साबित हो चुकी है कि केवल गरीब, वंचित या अशिक्षित लोग ही मजहबी उन्माद या सामाजिक उत्पीड़न के कारण कट्टरपंथी बनते हैं। हाल के वर्षों में आतंक के रास्ते पर चलने वाले लोगों की सूची देखें तो स्पष्ट होता है कि उनमें बड़ी संख्या में डॉक्टर, इंजीनियर, तकनीकी विशेषज्ञ और डिग्रीधारी युवा शामिल हैं। उनकी समस्या न तो आर्थिक है, न सामाजिक बल्कि वैचारिक है। वे इंटरनेट पर उपलब्ध कट्टरपंथी सामग्री, डार्क वेब चैट रूम, टेलीग्राम चैनलों और गहरे धार्मिक उन्माद से प्रेरित वीडियो के माध्यम से धीरे-धीरे विचलित होते हैं और फिर एक ऐसे जाल में फंस जाते हैं, जिसे वे खुद भी कभी समझ नहीं पाते। भारत में केरल, कश्मीर, दिल्ली, महाराष्ट्र और तमिलनाडु से ऐसे अनेक मामले सामने आए हैं, जहां प्रोफैशनल डिग्री वाले व्यक्ति आइएस, जैश, लश्कर या अल-कायदा के लिए काम करते हुए पकड़े गए। कुछ ने तो खुद के 'जिहादी मॉड्यूल' भी बना लिए, जिनके नाम मजहबी संदर्भों से प्रेरित थे, जैसे गजवा-ए-हिंद के नाम पर सक्रिय कई छोटे समूह। ये संगठन मजहबी मान्यताओं की मनचाही व्याख्याएं करके, उसे 'धर्मयुद्ध' का रूप देकर अत्याचार, जनसंहार और हिंसा को जायज ठहराते हैं। समय-समय पर इन पर फतवे भी जारी हुए, लेकिन कट्टरपंथियों पर उनका कोई असर नहीं पड़ा।

जिहादी आतंक कोई आत्मस्फूर्त हिंसा नहीं बल्कि एक घिनौनी विचारधारा का परिणाम है। यह विचारधारा मजहबी ग्रंथों की विकृत व्याख्याओं पर आधारित है। अब जब डॉक्टर, इंजीनियर और वैज्ञानिक भी इस विचारधारा का शिकार होने लगें तो यह स्पष्ट हो जाता है कि समस्या कहीं गहरे छिपी है। सरकार, पुलिस और एजेंसियां अकेले इस विचारधारात्मक युद्ध को नहीं जीत सकती, यह समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। परिवारों, शिक्षण संस्थानों, धार्मिक समूहों और सामाजिक नेतृत्व को मिलकर यह समझना होगा कि कट्टरपंथ कैसे जन्म लेता है और कैसे फैलता है। व्हाइट कॉलर टेरर की सबसे बड़ी ताकत यही है कि यह संदेह के दायरे से बाहर रहता है। समाज में सम्मानित होने के कारण डॉक्टर, इंजीनियर या आईटी विशेषज्ञ कोई हथियार लेकर नहीं घूमते। वे किसी सूची में नहीं होते। उनका कोई क्रिमिनल रिकॉर्ड नहीं होता। वे तकनीक, बैंकिंग, डिजिटल कम्युनिकेशन, एन्क्रिप्शन और साइबर सुरक्षा के विशेषज्ञ होते हैं। यही कारण है कि वे निगरानी तंत्र को चकमा देने में सफल हो जाते हैं। वे वीपीएन, क्रिप्टो ट्रांजैक्शन, डार्क वेब चैट, प्रोटॉन मेल और ऑटो-डिलीट चैट का इस्तेमाल करते हैं। वे विस्फोटकों की खरीद-फरोख्त के लिए फर्जी पहचान बनाते हैं। उनके खाते, उनके लेन-देन और उनकी यात्राएं सामान्य नागरिक जैसे दिखते हैं। यही कारण है कि एजेंसियों के लिए इनके व्यवहार का पैटर्न पहचानना ही सबसे कठिन चुनौती बन जाता है।

आज आतंकवादी संगठनों की रणनीति बदल चुकी है। वे अब जंगलों या सीमाओं पर नहीं बल्कि विश्वविद्यालयों, अस्पतालों, लैब्स और तकनीकी संस्थानों में नए सदस्य खोजते हैं। टेलीग्राम और सिग्नल पर 'भाईजान', 'शहीद', 'मुजाहिद', 'काफिरों के खिलाफ जंग' जैसे भावनात्मक शब्दों में संदेश भेजे जाते हैं। ऐसे संदेश धार्मिक, सामाजिक या न्याय के नाम पर 'कथित अन्याय' का चित्र बनाते हैं और युवा धीरे-धीरे कट्टरपंथी बन जाते हैं। यह 'ब्रेन वॉशिंग' चुपचाप होती है, किसी को पता तक नहीं चलता। डॉक्टर और इंजीनियर आखिर आतंकी क्यों बन रहे हैं और आतंकवादी कौनसे नैरेटिव से प्रेरित हैं, यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है। हर जिहादी संगठन अपने हिंसक कृत्यों को मजहबी मान्यताओं की आड़ में सही ठहराता है। यही कारण है कि आतंक के खिलाफ होने वाले फतवों का कोई असर नहीं होता क्योंकि समस्या धार्मिक आस्थाओं की राजनीतिक और हिंसक व्याख्याओं में है। व्हाइट कॉलर आतंकी सबसे खतरनाक इसलिए हैं क्योंकि उन्हें रोकना सबसे मुश्किल है। इन पर समाज भरोसा करता है और ये विश्वास को ही हथियार बनाकर आतंक फैलाते हैं। यही कारण है कि अब भारत को सुरक्षा का एक ऐसा नया फ्रेमवर्क तैयार करना होगा, जो केवल निगरानी पर आधारित न हो बल्कि रैडिकलाइजेशन को रोकने के लिए शिक्षा, समाज और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स में व्यापक सुधार भी करे। बहरहाल, एजेंसियों को अब व्यवहार आधारित एआई निगरानी, डिजिटल फुटप्रिंट विश्लेषण, क्रिप्टो-ट्रैकिंग और इंटरनेशनल डेटा-शेयरिंग की दिशा में और मजबूत कदम उठाने होंगे। शिक्षण संस्थानों में साइबर-रेडिकलाइजेशन पर जागरूकता अभियान चलाने होंगे। धार्मिक नेतृत्व को कट्टरपंथी व्याख्याओं के खिलाफ स्पष्ट और ठोस संदेश देने होंगे। लाल किले का धमाका और उससे जुड़ा व्हाइट कॉलर मॉड्यूल स्पष्ट चेतावनी है कि अगली लड़ाई जंगलों या सीमा पर नहीं होगी बल्कि क्लासरूम, लैब, अस्पताल, ऑफिस और वर्चुअल दुनिया में लड़ी जाएगी।

भारत का संविधान दिवस

संविधान दिवस, जिसे राष्ट्रीय कानून दिवस भी कहा जाता है, प्रत्येक वर्ष 26 नवंबर को मनाया जाता है। यह दिवस भारतीय संविधान को अपनाने की स्मृति में मनाया जाता है, जो 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा द्वारा अपनाया गया था। हालांकि यह 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ, लेकिन इसे अपनाने की तिथि का विशेष महत्व है। यह दिन हमें संविधान के महत्व, उसके मूल्यों और सिद्धांतों की याद दिलाता है तथा संविधान निर्माताओं, विशेषकर डॉ. भीमराव अंबेडकर के योगदान को सम्मानित करता है।

संविधान दिवस का इतिहास

भारत सरकार ने 19 नवंबर 2015 को संविधान दिवस मनाने की घोषणा की थी। यह निर्णय डॉ. भीमराव अंबेडकर की 125वीं जयंती के अवसर पर लिया गया था। इससे पूर्व 26 नवंबर को विशेष रूप से किसी राष्ट्रीय दिवस के रूप में नहीं मनाया जाता था। सरकार ने यह महसूस किया कि संविधान और उसके निर्माताओं के योगदान को उचित सम्मान देने के लिए एक विशेष दिन समर्पित होना चाहिए।

26 नवंबर 1949 का दिन भारतीय इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में लिखा गया है। इस दिन संविधान सभा ने लगभग तीन वर्षों की कड़ी मेहनत के बाद भारतीय संविधान को अंतिम रूप से स्वीकार किया। संविधान सभा के 284 सदस्यों ने इस ऐतिहासिक दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर किए। यह संविधान विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान है, जिसमें मूल रूप से 395 अनुच्छेद, 8 अनुसूचियां और 22 भाग थे।

डॉ. भीमराव अंबेडकर का योगदान

संविधान दिवस का उत्सव मुख्य रूप से डॉ. भीमराव अंबेडकर को समर्पित है, जिन्हें भारतीय संविधान का मुख्य वास्तुकार माना जाता है। संविधान सभा की प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में, डॉ. अंबेडकर ने संविधान के निर्माण में अद्वितीय भूमिका निभाई। उनकी गहन कानूनी समझ, सामाजिक न्याय के प्रति प्रतिबद्धता और समानता के सिद्धांतों में विश्वास ने भारतीय संविधान को एक प्रगतिशील और समावेशी दस्तावेज़ बनाया।

डॉ. अंबेडकर ने केवल संविधान का निर्माण ही नहीं किया, बल्कि उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि यह दलितों, पिछड़े वर्गों, महिलाओं और अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा करे। उन्होंने मौलिक अधिकारों, विशेष रूप से समानता के अधिकार और भेदभाव के उन्मूलन पर विशेष बल दिया। उनका दृष्टिकोण था कि संविधान एक जीवंत दस्तावेज़ हो, जो समय के साथ बदलती परिस्थितियों के अनुसार विकसित हो सके।

संविधान सभा का कार्य

संविधान सभा का गठन दिसंबर 1946 में हुआ था। डॉ. राजेंद्र प्रसाद इसके अध्यक्ष थे। संविधान निर्माण की प्रक्रिया में लगभग 2 वर्ष 11 महीने और 18 दिन का समय लगा। इस दौरान संविधान सभा की 11 सत्रों में कुल 165 बैठकें हुईं। संविधान के प्रारूप पर गहन विचार-विमर्श किया गया और विभिन्न विचारधाराओं, क्षेत्रों और समुदायों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया गया।

संविधान सभा में देश के कुछ सबसे प्रतिभाशाली और दूरदर्शी नेता शामिल थे, जिनमें जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल, मौलाना अबुल कलाम आज़ाद, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, सरोजिनी नायडू और अन्य शामिल थे। प्रत्येक सदस्य ने अपने ज्ञान, अनुभव और दृष्टिकोण से संविधान को समृद्ध किया।

भारतीय संविधान की विशेषताएं

भारतीय संविधान विश्व के विभिन्न संविधानों से प्रेरित है, लेकिन यह अपनी मौलिकता और भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप है। इसकी मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं:

विश्व का सबसे लंबा लिखित संविधान : भारतीय संविधान विश्व का सबसे विस्तृत और व्यापक संविधान है। वर्तमान में इसमें 470 से अधिक अनुच्छेद, 12 अनुसूचियां और 25 भाग हैं।

संप्रभुता, समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता और लोकतंत्र : संविधान की प्रस्तावना में भारत को एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित किया गया है। ये मूल्य संविधान की आधारशिला हैं।

मौलिक अधिकार : संविधान नागरिकों को छह मौलिक अधिकार प्रदान करता है - समानता का अधिकार, स्वतंत्रता का अधिकार, शोषण के विरुद्ध अधिकार, धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार, सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकार तथा संवैधानिक उपचारों का अधिकार।

मौलिक कर्तव्य : 42वें संविधान संशोधन (1976) द्वारा नागरिकों के मौलिक कर्तव्यों को शामिल किया गया। ये कर्तव्य नागरिकों से राष्ट्र, समाज और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की अपेक्षा करते हैं।

नीति निदेशक तत्व : संविधान में राज्य के नीति निदेशक तत्व शामिल हैं, जो राज्य को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय स्थापित करने का मार्गदर्शन करते हैं।

संघीय व्यवस्था : भारत में संघीय शासन प्रणाली है जिसमें केंद्र और राज्यों के बीच शक्तियों का विभाजन किया गया है।

स्वतंत्र न्यायपालिका : संविधान एक स्वतंत्र और निष्पक्ष न्यायपालिका की व्यवस्था करता है, जो मौलिक अधिकारों की रक्षा करती है।

* संशोधन की लचीली प्रक्रिया* : संविधान में संशोधन की व्यवस्था है, जिससे समय की आवश्यकता के अनुसार इसे बदला जा सकता है।

संविधान दिवस मनाने का उद्देश्य

संविधान दिवस मनाने के पीछे कई महत्वपूर्ण उद्देश्य हैं:

संवैधानिक मूल्यों का प्रसार : इस दिन का उद्देश्य नागरिकों, विशेष रूप से युवाओं को संवैधानिक मूल्यों, अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में जागरूक करना है।

डॉ. अंबेडकर को श्रद्धांजलि : यह दिन डॉ. भीमराव अंबेडकर और अन्य संविधान निर्माताओं के योगदान को याद करने और उन्हें सम्मानित करने का अवसर है।

राष्ट्रीय एकता को मजबूत करना : संविधान दिवस विभिन्न धर्म, जाति, क्षेत्र और भाषा के लोगों को एक सूत्र में पिरोता है और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देता है।

संवैधानिक साक्षरता : इस दिन संविधान की शिक्षा को बढ़ावा देने और लोगों को उनके अधिकारों और जिम्मेदारियों के बारे में शिक्षित करने का प्रयास किया जाता है।

लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करना : संविधान दिवस लोकतंत्र, समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व जैसे मूल्यों को मजबूत करता है।

संविधान दिवस के आयोजन

संविधान दिवस के अवसर पर पूरे देश में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। सरकारी कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों, न्यायालयों और सामाजिक संगठनों में विशेष कार्यक्रम होते हैं। इन कार्यक्रमों में निम्नलिखित गतिविधियां शामिल होती हैं:

संविधान की प्रस्तावना का पाठ : अधिकांश संस्थानों में संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ किया जाता है। यह एक महत्वपूर्ण अनुष्ठान है जो संवैधानिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सेमिनार और व्याख्यान : विशेषज्ञों, विधिवेत्ताओं और शिक्षाविदों द्वारा संविधान पर सेमिनार और व्याख्यान आयोजित किए जाते हैं।

निबंध प्रतियोगिताएं : स्कूलों और कॉलेजों में छात्रों के लिए संविधान से संबंधित विषयों पर निबंध, वाद-विवाद और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं।

प्रदर्शनियां : संविधान निर्माण की यात्रा, संविधान सभा के सदस्यों और संवैधानिक विकास पर प्रदर्शनियां लगाई जाती हैं।

जागरूकता अभियान : मीडिया, सोशल मीडिया और सार्वजनिक स्थानों पर संवैधानिक अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं।

मतदाता शिक्षा : चुनाव आयोग द्वारा मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

संविधान का महत्व

भारतीय संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज़ नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र की आत्मा है। यह निम्नलिखित कारणों से महत्वपूर्ण है:

सामाजिक परिवर्तन का साधन : संविधान ने भारतीय समाज में सामाजिक समानता, जाति-आधारित भेदभाव के उन्मूलन और महिला सशक्तिकरण का मार्ग प्रशस्त किया है।

अल्पसंख्यकों और कमजोर वर्गों की सुरक्षा : संविधान अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, पिछड़े वर्गों और अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा करता है और उनके विकास के लिए विशेष प्रावधान करता है।

न्याय का आधार : संविधान सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय की स्थापना का प्रयास करता है।

राष्ट्रीय एकता का प्रतीक : विविधता में एकता भारत की विशेषता है और संविधान इस एकता को बनाए रखने का काम करता है।

लोकतंत्र की नींव : भारतीय संविधान विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की नींव है। यह स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शासन में जनभागीदारी सुनिश्चित करता है।

वर्तमान संदर्भ में संविधान की प्रासंगिकता

75 वर्षों के बाद भी भारतीय संविधान अत्यंत प्रासंगिक है। आधुनिक चुनौतियों के बावजूद, संविधान ने अपनी लचीलापन और अनुकूलन क्षमता का परिचय दिया है। डिजिटल युग, पर्यावरणीय चुनौतियों, सामाजिक मीडिया के प्रभाव और वैश्वीकरण के दौर में भी संविधान के मूल सिद्धांत मार्गदर्शन करते हैं।

हालांकि, संविधान की सफलता केवल उसके अस्तित्व में नहीं, बल्कि उसके प्रभावी कार्यान्वयन में निहित है। नागरिकों को अपने अधिकारों के साथ-साथ अपने कर्तव्यों के प्रति भी जागरूक होना चाहिए। संवैधानिक मूल्यों का सम्मान, कानून का पालन और लोकतांत्रिक संस्थाओं में विश्वास बनाए रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है।

युवाओं की भूमिका

युवा पीढ़ी संविधान के मूल्यों को आगे ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उन्हें संविधान को केवल एक पुस्तक के रूप में नहीं, बल्कि जीवन के मार्गदर्शक सिद्धांतों के रूप में देखना चाहिए। युवाओं को निम्नलिखित क्षेत्रों में योगदान देना चाहिए:

- संवैधानिक साक्षरता का प्रसार करना
- सामाजिक न्याय और समानता के लिए कार्य करना
- लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में सक्रिय भागीदारी करना
- भ्रष्टाचार और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना
- राष्ट्रीय एकता और सद्भाव को बढ़ावा देना

चुनौतियां और समाधान

भारतीय संविधान को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इनमें भ्रष्टाचार, सामाजिक असमानता, साम्प्रदायिकता, जातिवाद और क्षेत्रवाद प्रमुख हैं। इन चुनौतियों का समाधान संवैधानिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता और सामूहिक प्रयासों से ही संभव है।

शिक्षा, जागरूकता और संस्थागत सुधारों के माध्यम से इन चुनौतियों से निपटा जा सकता है। न्यायिक सुधार, चुनावी सुधार और प्रशासनिक सुधार की आवश्यकता है। साथ ही, नागरिक समाज, मीडिया और सामाजिक संगठनों को भी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

संविधान दिवस केवल एक औपचारिक उत्सव नहीं है, बल्कि यह आत्मचिंतन और संकल्प का दिन है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि संविधान एक जीवंत दस्तावेज़ है जो समय के साथ विकसित होता है, लेकिन इसके मूल मूल्य - न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व - अपरिवर्तनीय हैं।

भारतीय संविधान विश्व के सबसे प्रगतिशील और समावेशी संविधानों में से एक है। यह हमारे संविधान निर्माताओं की दूरदर्शिता और बुद्धिमत्ता का प्रमाण है। डॉ. अंबेडकर और अन्य संविधान निर्माताओं ने जो सपना देखा था, उसे साकार करना हम सभी की जिम्मेदारी है।

आइए, संविधान दिवस के अवसर पर हम संकल्प लें कि हम संविधान के मूल्यों को अपने जीवन में उतारेंगे, अपने अधिकारों का सम्मान करेंगे और अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे। केवल तभी हम एक सच्चे अर्थों में न्यायपूर्ण, समावेशी और समृद्ध राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं। संविधान हमारा है, इसकी रक्षा करना हमारा दायित्व है और इसे जीवित रखना हमारा कर्तव्य है।

जय हिंद! जय भारत! जय भीम!

- वासवी राजू बरडे, नागपूर, महाराष्ट्र

क्या रोजाना दे सकते हैं चंद्रमा को अर्घ्य?

सनातन परंपरा में हर देवी-देवता एवं ग्रह को अलग-अलग प्रकार से अर्घ्य दिया जाता है। चंद्रमा को भी अर्घ्य देते हैं लेकिन कुछ विशेष तिथियों या फिर पर्वों पर।

हिन्दू धर्म में अर्घ्य देना पूजा का महत्वपूर्ण भाग माना जाता है। सनातन परंपरा में हर देवी-देवता एवं ग्रह को अलग-अलग प्रकार से अर्घ्य दिया जाता है। मुख्य रूप से सूर्य अर्घ्य को सबसे ज्यादा फलदायी और शुभ माना जाता है। इसके अलावा, चंद्रमा को भी अर्घ्य देते हैं लेकिन कुछ विशेष तिथियों या फिर पर्वों पर। वहीं, कई लोग रोजाना चंद्रमा को भी अर्घ्य देते हैं। ऐसे में ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स ने हमें बताया कि सूर्य अर्घ्य की तरह ही रोजाना चंद्रमा को अर्घ्य देना सही है या गलत और क्या है इसके पीछे का तर्क।

रोजाना चंद्रमा को अर्घ्य देने से क्या होगा?

- पौराणिक कथा के अनुसार, चंद्रमा कलंकित हैं क्योंकि उन्हें श्री गणेश का श्राप मिला हुआ है जिसके आधार पर कोई भी व्यक्ति चंद्रमा की पूजा करता है तो उसके घर से सुख-समृद्धि चली जाएगी और कलंक भी लगेगा।
- यूं तो श्राप के अनुसार किसी भी माह के कृष्ण और शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि के दिन चंद्रमा पूजन की मनाही है लेकिन रोजाना भी शास्त्रों में चंद्रमा की आराधना करना वर्जित माना गया है। अर्घ्य देना भी निषेध है।
- शास्त्रों में इस बात का उल्लेख मिलता है कि कुछ प्रमुख तिथियों के अलावा जो पूजा-पाठ सूर्यास्त के बाद किया जाता है वह सात्विक नहीं बल्कि तांत्रिक श्रेणी में आता है।
चंद्रमा को अर्घ्य भी रात के समय ही दिया जाता है।
- ऐसे में चंद्रमा को रोजाना रात में अर्घ्य देना पूजा-पाठ में दोष उत्पन्न करेगा और घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह भी बढ़ेगा। साथ ही, चंद्रमा की स्थिति भी कुंडली में मजबूत होने के बजाय कमजोर होती चली जाएगी।
- चंद्रमा को अर्घ्यन या चंद्रमा की पूजा करवा चौथ या अहोई अष्टमी जैसे व्रतों के दौरान ही शुभ मानी गई है। इसके अलावा, पूर्णिमा तिथि पर भी चंद्रमा को अर्घ्य दे सकते हैं। इस तिथि पर चंद्र अर्घ्य से घर में शुभता आती है।

क्या है खाटू श्याम का इतिहास

पहले हो गई मृत्यु, फिर बने भगवान

खाटू श्याम जी, जिन्हें हारे का सहारा और तीन बाण धारी के नाम से भी जाना जाता है, भगवान श्रीकृष्ण के कलयुग अवतार माने जाते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि आखिर कब और कैसे सृष्टि में शुरू हुई थी खाटू श्याम बाबा की पूजा।

बर्बरीक का जन्म और आरंभ का जीवन

खाटू श्याम जी का मूल नाम बर्बरीक था। वे पांडु पुत्र भीम और नाग कन्या हिडिम्बा के पौत्र थे। उनके पिता का नाम घटोत्कच था, जो अपनी मायावी शक्तियों के लिए जाने जाते थे। बर्बरीक बचपन से ही बहुत शक्तिशाली और वीर थे। उन्होंने अपनी माता मोरवी से युद्ध कला और भगवान शिव से अनेक अस्त्र-शस्त्रों का ज्ञान प्राप्त किया था। भगवान शिव ने उन्हें तीन ऐसे दिव्य बाण प्रदान किए थे, जिनसे वे तीनों लोकों को जीत सकते थे। इन बाणों की विशेषता यह थी कि वे एक ही बाण से किसी भी लक्ष्य को चिह्नित कर सकते थे, दूसरे बाण से उसे नष्ट कर सकते थे, और तीसरे बाण से उसे वापस अपने पास बुला सकते थे। इसी कारण उन्हें तीन बाण धारी भी कहा जाता है।

महाभारत युद्ध में बर्बरीक का प्रवेश

जब महाभारत का युद्ध निश्चित हुआ, तो बर्बरीक को भी अपनी वीरता दिखाने का अवसर मिला। वे अपनी माता मोरवी से आशीर्वाद लेकर युद्ध में शामिल होने के लिए निकल पड़े। उन्होंने अपनी माता को वचन दिया था कि वे युद्ध में हमेशा उस पक्ष का साथ देंगे, जो कमजोर होगा या हार रहा होगा। युद्धभूमि की ओर जाते हुए, बर्बरीक एक पीपल के पेड़ के नीचे बैठे भगवान श्रीकृष्ण से मिले, जो ब्राह्मण वेश में थे। श्रीकृष्ण ने बर्बरीक की वीरता का परीक्षण करने के लिए उनसे पूछा कि वे किस पक्ष से युद्ध लड़ेंगे। बर्बरीक ने अपनी माता को दिए वचन के अनुसार कहा कि वे उस पक्ष का साथ देंगे, जो कमजोर होगा या हार रहा होगा।

श्रीकृष्ण ने बर्बरीक की शक्तियों को जानते हुए सोचा कि यदि बर्बरीक ने यह वचन निभाया, तो युद्ध का परिणाम बदल सकता है। उन्होंने बर्बरीक से कहा कि यदि वे इतने शक्तिशाली हैं, तो क्या वे एक ही बाण से इस पीपल के पेड़ के सभी पत्तों को भेद सकते हैं? बर्बरीक ने चुनौती स्वीकार की और अपने एक बाण से पेड़ के सभी पत्तों को भेद दिया। एक पत्ता श्रीकृष्ण के पैर के नीचे छिपा हुआ था, जिसे भेदने के लिए बाण उनके पैर के पास रुका। यह देखकर श्रीकृष्ण को बर्बरीक की शक्ति और वचनबद्धता पर पूरा विश्वास हो गया।

शीश का दान और वरदान

श्रीकृष्ण ने तब बर्बरीक को अपने वास्तविक रूप में दर्शन दिए और उन्हें बताया कि युद्ध में विजय प्राप्त करने के लिए किसी महान योद्धा के शीश का दान आवश्यक है। उन्होंने बर्बरीक से उनके शीश का दान मांगा। बर्बरीक, जो अपने वचन के पक्के थे, ने बिना किसी हिचकिचाहट के अपना शीश दान करने की सहमति दे दी। उन्होंने एक अंतिम इच्छा व्यक्त की कि वे महाभारत के पूरे युद्ध को अपनी आंखों से देखना चाहते हैं।श्रीकृष्ण ने उनकी यह इच्छा पूरी की और उनके शीश को एक ऊँचे स्थान पर स्थापित कर दिया, जहाँ से बर्बरीक ने पूरे युद्ध को देखा। युद्ध समाप्त होने के बाद, पांडवों में यह बहस छिड़ गई कि युद्ध में विजय का श्रेय किसे जाता है। तब श्रीकृष्ण ने बर्बरीक के शीश से पूछा, जिस पर बर्बरीक ने उत्तर दिया कि उन्होंने युद्धभूमि में केवल श्रीकृष्ण के सुदर्शन चक्र को शत्रुओं का संहार करते हुए देखा और द्रौपदी को शक्ति रूप में देखा। यह सुनकर सभी पांडव चकित रह गए।

श्रीकृष्ण बर्बरीक के इस महान त्याग और भक्ति से अत्यंत प्रसन्न हुए। उन्होंने बर्बरीक को वरदान दिया कि कलयुग में वे उनके नाम से पूजे जाएंगे और जो भी भक्त हारे हुए या निराश होंगे, उनका सहारा बनेंगे। श्री कृष्ण ने कहा कि जो भी भक्त उनके नाम का स्मरण करेगा, उसकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होंगी। इसके बाद, बर्बरीक का शीश राजस्थान के खाटू गांव में मिला, जहां एक मंदिर का निर्माण किया गया और वे खाटू श्याम जी के नाम से प्रसिद्ध हुए। आज भी लाखों भक्त खाटू श्याम जी के दर्शन के लिए आते हैं और उन्हें हारे का सहारा मानते हैं। उनकी पूजा विशेष रूप से फाल्गुन माह में शुक्ल पक्ष की एकादशी और द्वादशी को की जाती है, जिसे श्याम बाबा का फाल्गुन मेला कहा जाता है।

खाटू श्याम भगवान को क्यों कहा जाता है हारे का सहारा?

पिछले कुछ समय से खाटू श्याम भगवान का नाम चारो तरफ छाया हुआ है। यहां तक की सोशल मीडिया पर भी खाटू श्याम के चमत्कार से जुड़े कई वीडियोज वायरल हो रहे हैं। खाटू श्याम जी का दर्शन करने के लिए न केवल आस-पास के गांवों बल्कि देशभर से लोग आते हैं। बता दें कि खाटू श्याम को हारे का सहारा भी कहा जाता है। पर, इसके पीछे की कहानी क्या है इसकी जानकारी बहुत कम लोगों को है।

कौन हैं खाटू श्याम भगवान?

श्री कृष्ण के कलयुगी अवतार को ही खाटू श्याम के नाम से जाना जाता है। राजस्थान के सीकर जिले में खाटू श्याम का प्राचीन मंदिर बना है, जहां हर रोज लंबी-लंबी कतारों में लोग दर्शन करने पहुंचते हैं। दरअसल, माना जाता है कि जब पांडव अपनी जान बचाने के लिए वन में गए थे, तो भीम का सामना हिडिंबा से हुआ था। हिडिम्बा के पुत्र का नाम घटोखा रखा और घटोखा के पुत्र का नाम बर्बरीक है, जिन्हें आप आप खाटू श्याम के नाम से जानते हैं।

खाटू श्याम को क्यों कहा जाता है हारे का सहारा?

खाटू श्याम भगवान को हारे का सहारा कहा जाता है क्योंकि वो अपनी मां को बोलकर गए थे कि युद्ध में जो भी हारेगा मैं उसके साथ दूंगा। इसके बाद कृष्ण भगवान ने खाटू श्याम से कहा था कि एक तीर से पेड़ के सारे पत्ते गिराकर दिखाओ। ऐसा कहकर उन्होंने 1 पत्ता पैर के नीचे दबा लिया। इसके बाद तीर उनके पास आकर घूमने लग गया था। इससे सबको पता चला कि खाटू श्याम कितने शक्तिशाली हैं। इसके बाद कृष्ण भगवान ने खाटू श्याम से उनका सिर मांगा था और उसे सबसे ऊपर रखकर युद्ध देखने के लिए कहा था। यही कारण है कि उन्होंने हारे का सहारा कहा जाता है।

गणेश जी ने अपनी ही मां देवी पार्वती को कौन सा वरदान दिया था?

भगवान गणेश जिन्हें विघ्नहर्ता और प्रथम पूज्य माना जाता है माता पार्वती के अत्यंत प्रिय और आज्ञाकारी पुत्र हैं। उनका जन्म माता पार्वती ने अपने शरीर के मैल और दिव्य शक्ति से किया था। मां और पुत्र का यह संबंध अत्यंत पवित्र और अनोखा है और इसमें ममता और भक्ति का गहरा भाव छिपा है। भगवान गणेश ने अपनी मां की आज्ञा का पालन करने के लिए अपना मस्तक भी कटवा दिया था जिसके बाद उन्हें हाथी का सिर लगाकर पुनर्जीवित किया गया और सभी देवताओं में सर्वप्रथम पूजनीय होने का वरदान मिला। ऐसा कहा जाता है कि माता पार्वती ने श्री गणेश को एक मां के तौर पर सभी प्रकार की शिक्षा प्रदान की और श्री गणेश ने भी एक पुत्र के तौर पर उन सभी शिक्षाओं को ग्रहण किया, लेकिन एक घटना ऐसी भी है जब श्री गणेश ने अपनी मां माता पार्वती को एक वरदान दिया था।

श्री गणेश ने माता पार्वती को क्या वरदान दिया था?

पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान गणेश ने अपनी माता देवी पार्वती को एक बहुत ही विशेष और महत्वपूर्ण वरदान दिया था। यह वरदान विशेष रूप से संकष्टी चतुर्थी के व्रत से संबंधित है जिसे माताएं अपनी संतान की लंबी आयु, सुख और समृद्धि के लिए रखती हैं। जब माता पार्वती ने अपने पुत्र गणेश के लिए एक विशेष व्रत और पूजा की थी जिसे आज संकष्टी चतुर्थी के रूप में जाना जाता है, तब गणेश जी अपनी मां की भक्ति और प्रेम से अत्यंत प्रसन्न हुए थे। प्रसन्न होकर भगवान गणेश ने अपनी माता पार्वती को एक अत्यंत दिव्य वरदान दिया।

वरदान अनुसार, संसार की जो भी नारी इस संकष्टी चतुर्थी का व्रत और पूजन पूरी श्रद्धा और सच्चे मन से करेगी उसे श्री गणेश के भांति ही आज्ञाकारी, स्नेही, दीर्घायु और यशस्वी संतान की प्राप्ति होगी। साथ ही, माताओं पर हमेशा देवी पार्वती की असीम कृपा भी बनी रहेगी। इस वरदान के माध्यम से गणेश जी ने अपनी मां के मातृत्व सुख को संसार की सभी माताओं तक पहुंचाने का आशीष दिया। यह वरदान न केवल संतान की प्राप्ति के लिए था बल्कि संतान के जीवन के सभी संकटों को हरने वाला भी था क्योंकि गणेश स्वयं विघ्नहर्ता हैं।

इसलिए, आज भी संकष्टी चतुर्थी के दिन माताएं श्री गणेश का व्रत करती हैं ताकि उन्हें और उनकी संतान को गणेश जी जैसा सुख, सौभाग्य और सभी प्रकार के विघ्नों से मुक्ति प्राप्त हो सके। यह वरदान माता पार्वती को पुत्र-प्रेम की पराकाष्ठा के रूप में मिला प्राप्त हुआ था।

ज्योतिष शास्त्र में घर की रसोई को बहुत अहम माना गया है। घर की रसोई में मां अन्नपूर्णा और मां लक्ष्मी का वास स्थापित होता है। इसके अलावा, घर की बरकत में महत्वपूर्ण भाग रसोई का भी माना जाता है।

सुख-समृद्धि के लिए घर की रसोई में जरूर करने चाहिए ये काम

ज्योतिष शास्त्र में घर की रसोई को बहुत अहम माना गया है। घर की रसोई में मां अन्नपूर्णा और मां लक्ष्मी का वास स्थापित होता है। इसके अलावा, घर की बरकत में महत्वपूर्ण भाग रसोई का भी माना जाता है। ऐसे में अगर घर की रसोई से जुड़े कुछ उपाय किये जाएं तो घर में सुख-समृद्धि आती है और घर में मौजूद नकारात्मकता भी दूर हो जाती है। इसके अलावा, और भी कई लाभ मिलते हैं।

घर की रसोई में करें मां अन्नपूर्णा की स्थापना

घर की रसोई में अनाज रखा जाता है और अनाज को सबसे ज्यादा पवित्र माना गया है। ऐसे में अनाज रखने की जगह पर मां अन्नपूर्णा की फोटो या प्रतिमा स्थापित करने से घर की बरकत हमेशा बनी रहती है और घर की उन्नति होती है।

रसोई को रोजाना धोएं

घर की रसोई को रोजाना पानी से धोना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि इससे घर की रसोई की शुद्धता बनी रहती है। साथ ही, मां लक्ष्मी का आशीर्वाद भी मिलता है और घर की नकारात्मकता नष्ट होती है। सकारात्मकता संचारित होती है।

घर की रसोई की देहलीज रोजाना पूजे

घर की रसोई की दहलीज की रोजाना सुबह और शाम पूजा करनी चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि रसोई की दहलीज में नवग्रहों का वास माना गया है। ऐसे में दहलीज की पूजा करने से नव ग्रह शांत होते हैं और अपनी कृपा घर पर बरसाते हैं।

घर की रसोई में रोजाना कपूर जलाएं

घर की रसोई में रोजाना संध्याकाल के समय कपूर अवश्य जलाना चाहिए। कपूर जलाकर उसका धुआं घर की रसोई में करने से घर का वातावरण पवित्र होता है और अगर रसोई से जुड़ा कोई वास्तु दोष है तो वह भी जल्दी ही दूर हों जाता है।

संक्षिप्त समाचार

झसऊदी अरब महात्रासदीः उमराह में मारे गए 45 भारतीय यात्रियों का अंतिम संस्कार

रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब के मदीना के पास सोमवार को एक बस और ईंधन टैंकर के बीच हुई भयंकर टक्कर में सबसे कम से कम 45 भारतीय उमरा-यात्रियों की मौत की पुष्टि हो गई है। यह हादसा रविवार की देर रात मक्का से मदीना जा रही एक बस में हुआ, जिसमें ज्यादातर पीड़ित तेलंगाना के थे। इस दुखद घटना के बाद शनिवार को मदीना में इन मृत यात्रियों का अंतिम संस्कार किया गया। तेलंगाना से आये प्राय: 45 यात्रियों का जन्नत उल बाकी कब्रिस्तान में दफन किया गया। इसमें आंध्र प्रदेश के राज्यपाल एस. अब्दुल नजीर भी मदीना गए थे। भारतीय दूतावास और सऊदी अधिकारियों ने इस हादसे में मृतकों के परिवारों की मदद के लिए कदम उठाये हैं। जेद्दा स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं और मृतकों का डीएनए परीक्षण करवाया गया। तेलंगाना सरकार ने इस हादसे को संघ की तरह से देखा है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने पीड़ित परिवारों के लिए सहायता की घोषणा की है। सऊदी और भारतीय दोनों पक्षों ने इस हादसे को अल्प-सुरक्षा, यातायात नियमों और तीर्थयात्रा के दौरान बुनियादी इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी से जोड़कर देखा है, और आगे इस तरह के हादसों को रोकने की बात हो रही है।

एलियन के बारे में जानते थे अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति एचडब्ल्यू बुश?

वाशिंगटन, एजेंसी। एलियन्स की मौजूदगी आज भी पूरी दुनिया के लिए रहस्य बनी हुई है। हॉलीवुड फिल्मों से लेकर विज्ञान की दुनिया में इसे लेकर कई बड़े दावे किए जा चुके हैं। वहीं, अब एक नई डॉक्यूमेंट्री में भी दावा किया गया है कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति एचडब्ल्यू बुश को इसके बारे में जानकारी थी। न्यूयॉर्क पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, नई डॉक्यूमेंट्री में दावा किया गया है कि 1964 में न्यू मेक्सिको में एक एलियन का एनकाउंटर कर दिया गया था। यह एनकाउंटर अमेरिका के होलोमैन एयर फोर्स बेस पर हुआ था। इसकी जानकारी अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज एच डब्ल्यू बुश (राष्ट्रपति कार्यकाल 1989-1993 तक) को दी गई थी। इस डॉक्यूमेंट्री का नाम द ऐज ऑफ है। इस डॉक्यूमेंट्री में एक खगोल भौतिक विज्ञानी एरिक डेविस का इंटरव्यू शामिल है, जिसमें वो कहते दिखाई दे रहे हैं कि 2003 में एक निजी बातचीत के दौरान पूर्व राष्ट्रपति ने उन्हें इस घटना के बारे में बताया था। बता दें कि एरिक डेविस एडवांस एयरोस्पेस थ्रेट आईडेंटिफिकेशन प्रोग्राम के सलाहकार रह चुके हैं। रिपोर्ट के अनुसार, बुश ने दावा किया था कि अमेरिकी एयरबेस ने तीनों अंतरिक्ष यान को देखा था। उनमें से एक स्पेसशिप लैंड हुई थी। उनमें से एक एलियन बाहर आया था और उसने एयरफोर्स और सीआइए के कर्मचारी से बात करने की कोशिश की थी। यह डॉक्यूमेंट्री शुक्रवार को अमेजन प्राइम पर रिलीज हुई है। इसमें एलियन्स को लेकर ऐसे कई दावे और खुलासे किए गए हैं। एएटीआइपी के पूर्व सदस्य हैल पुथॉफ ने भी दावा किया है कि उन्होंने एलियन्स से जुड़े कई साक्ष्य बरामद किए हैं। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ता गैरी नोलन का कहना है कि अमेरिकी सैन्यकर्मी हवा कुछ अजीबोगरीब घटनाओं का शिकार हो गए थे, जिससे उन्हें काफी चोटें आई थीं। डॉक्यूमेंट्री के निर्देशक दान फराह को उम्मीद है कि यह फिल्म एलियन्स की मौजूदगी से जुड़े कई सवालों से पर्दा उठाएगी। दान के अनुसार, मुझे लगता है कि यह फिल्म हमें अलग जगह पर ले जाकर खड़ा करेगी। इसमें राष्ट्रपति खुद दुनिया को बताएंगे कि इस ब्रह्मांड में हम अकेले नहीं हैं, बल्कि हमारे जैसे और लोग भी यहां रहते हैं।

यह फाइनल ऑफर नहीं..., यूक्रेन पीस प्लान पर डेडलाइन देने के बाद अब नरम पड़े ट्रंप?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए 28-पॉइंट शांति प्रस्ताव पेश किया है। इसको लेकर यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की को सख्त चेतावनी दी है। ट्रंप ने कहा कि यह उनका फाइनल ऑफर नहीं है और बदलाव संभव हैं। लेकिन जेलेंस्की को गुरुवार तक इस पर सहमति देनी होगी, वरना अमेरिकी खुफिया और सैन्य सहायता पर खतरा मंडरा सकता है। दरअसल, ट्रंप से जब पत्रकारों ने पूछा कि क्या उनका 28-सूत्रीय प्रस्ताव- जिसमें यूक्रेन को कुछ इलाकों को छोड़ना, अपनी सेना कम करना और नाटो में कभी शामिल न होने का वादा करना शामिल है, क्या ये यूक्रेन के लिए उनका अंतिम ऑफर है। इस पर ट्रंप ने जवाब दिया नहीं, यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने की उनकी योजना उनका अंतिम प्रस्ताव नहीं है और उन्हें उम्मीद है कि किसी न किसी तरह लड़ाई बंद हो जाएगी। ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा, उन्हें यह पसंद आना ही होगा, अगर उन्हें यह पसंद नहीं आता, तो फिर उन्हें लड़ते रहना चाहिए। किसी न किसी मोड़ पर उन्हें कुछ न कुछ तो स्वीकार करना ही होगा। ट्रंप ने कहा कि हम इसे खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। किसी न किसी तरह, हमें इसे खत्म करना ही होगा। ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की को कड़े शब्दों में चेतावनी दी गई है कि उन्हें 'हकीकत स्वीकार करनी होगी' और अमेरिका-रूस की ओर से तैयार प्लान पर सहमत होना होगा। ट्रंप ने जेलेंस्की को 27 नवंबर गुरुवार तक की डेडलाइन दी है। उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया कि अगर यूक्रेन ने समझौते पर हस्ताक्षर नहीं किए तो अमेरिका का समर्थन कमजोर हो सकता है। इधर ट्रंप की इस 28-सूत्रीय प्रस्ताव को यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर

नाटो पर रूसी दबाव तेज, ब्रिटेन के समुद्री रास्तों तक पहुंची पुतिन की नौसेना, मिसाइलों की जद में यूरोप

मास्को, एजेंसी। द वॉल स्ट्रीट जर्नल की ताजा रिपोर्ट के अनुसार रूस ने यूक्रेन युद्ध को सीमित मोर्चे से आगे ले जाते हुए समुद्र और मिसाइलक्षरणनीति के जरिये यूरोप पर दबाव बढ़ा दिया है। उत्तरी अटलांटिक और नॉर्थ सी में रूसी नौसेना की गतिविधियां रिकॉर्ड गति से बढ़ी हैं और ब्रिटिश रक्षा एजेंसियां ऐसे जहाजों और पनडुब्बियों को लगातार शैडो कर रही हैं। कलीनिनग्राद, बेलारूस और समुद्री प्लेटफॉर्म से तैनात मिसाइलें यूरोप के लगभग हर बड़े शहर को अपनी जद में लेती हैं। फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन खुलकर महायुद्ध की आशंका जता रहे हैं जबकि क्रेमलिन का संदेश साफ है कि पश्चिम ने सीमाएं पार कीं तो जवाब और कठोर होगा। रिपोर्ट के अनुसार साल 2025 में नाटो की तरफ रूसी नौसेना की गतिविधि 40 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट कहती है कि पूरा यूरोप पुतिन की मिसाइल रेंज में है। आज यूरोप का कोई भी बड़ा शहर रूस की मिसाइल पहुंच से बाहर नहीं है। कलीनिनग्राद और बेलारूस में तैनात इस्कंदर मिसाइलें पोलैंड, बाल्टिक देशों और पूर्वी जर्मनी तक बिना किसी बाधा पहुंच सकती हैं। वहीं समुद्र से दागी जाने वाली कालीब्र मिसाइलों की रेंज इतनी व्यापक है कि ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, स्कैंडिनेविया और दक्षिणी यूरोप तक इनसे सुरक्षित नहीं हैं। फ्रांस और जर्मनी अपनी राजनीतिक भाषा में पहले से कहीं अधिक स्पष्ट और कठोर दिखाई दे रहे हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों कई बार यह चेतावनी दे चुके हैं कि यूरोप एक ऐसे दौर में प्रवेश कर चुका है जिसे बड़े युद्ध से पहले वाली स्थिति कहा जा सकता है। जर्मनी इस तनाव को शीत युद्ध के बाद की सबसे गंभीर सुरक्षा चुनौती मानते हुए अपने रक्षा खर्च को तेजी से बढ़ा रहा है। विश्लेषकों का मानना है कि पुतिन का उद्देश्य सीधा युद्ध छेड़ना नहीं, बल्कि यूरोप को सैन्य, राजनीतिक और मनोवैज्ञानिक दबाव में रखना है। पुतिन की रणनीति तीन स्तरों पर चलती है। नाटो को यूक्रेन और पूर्वी यूरोप से दूर रखना, यूरोपीय देशों के भीतर राजनीतिक विभाजन और असहमति को बढ़ाना व रूस के भीतर घिरे हुए देश का भाव पैदा कर घरेलू समर्थन बनाए रखना।

सीजफायर के बाद भी नहीं मान रहा इस्राइल

गाजा में फिर की एयरस्ट्राइक, 24 लोगों की मौत; अस्पतालों ने की पुष्टि

येरूसलम एजेंसी। इस्राइली डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने शनिवार को हमास ठिकानों में हवाई हमले किए, जिनमें 24 लोगों की मौत हो गई और 54 लोग घायल हुए। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि मृतकों में कई महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं।

इस्राइली सेना ने दावा किया कि ये हमले उन हमास लड़ाकों के जवाब में किए गए, जिन्होंने संघर्षविराम के बावजूद इस्राइल-नियंत्रित क्षेत्र में घुसकर सैनिकों पर गोली चलाई। सेना ने इस घटना को सीजफायर का गंभीर उल्लंघन बताया। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा कि कार्रवाई में हमास के पांच वरिष्ठ सदस्य मारे गए, जबकि हमास ने आरोप लगाया कि इस्राइल बहाने बनाकर युद्ध फिर शुरू करना चाहता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका द्वारा कराए गए युद्धविराम के बावजूद इस्राइल अब तक गाजा में 394 हमले कर चुका है, जिनमें 300 से अधिक लोग मारे गए और करीब 700 से ज्यादा घायल हुए। इससे पहले बुधवार को भी आईडीएफ ने गाजा में हमले कर 25 लोगों को मार दिया था, जब इस्राइल ने दावा किया कि हमास ने युद्धविराम का उल्लंघन किया है।

कई हमले, कई मोहल्ले तबाहः गाजा में कई इलाकों पर एक के बाद एक हुए हमलों ने पूरे माहौल को दहशत से भर दिया। गाजा सिटी के रिमाल क्षेत्र में एक वाहन को निशाना बनाए गए हमले में 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 से अधिक गंभीर रूप से घायल हुए। शिफा अस्पताल के डॉक्टरों के मुताबिक, घायलों में बड़ी संख्या में बच्चे शामिल हैं। इसी के साथ, अल-अवदा अस्पताल के पास एक मकान पर हुए हमले में 3 लोगों की जान गई और 11 घायल हुए। नुसेरात कैंप में एक घर पर किए गए हमले में सात लोगों की मौत हुई, जिनमें एक बच्चा भी शामिल था। दैर अल-बलाह में एक और आवासीय घर को निशाना बनाए जाने से तीन लोगों की मौत हुई, जिनमें एक महिला भी थी। दैर अल-बलाह के खालिल अबू हातब ने भयावह दृश्य बताते हुए कहा अचानक जोरदार धमाका हुआ और चारों तरफ धुआं ही धुआं फैल गया। कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। यह कैसा संघर्षविराम है? यहां तो कोई भी जगह सुरक्षित नहीं है। गौरतलब है कि सात अक्तूबर 2023 से शुरू हुए इस्राइल-हमास संघर्ष में अब तक 69,733 लोग मारे जा चुके हैं, जबकि 1,70,000 से अधिक लोग घायल हुए हैं। इसके अलावा, 7 अक्तूबर 2023 के हमास हमले में इस्राइल में 1,139 लोगों की मौत हुई थी और 250 से ज्यादा लोगों को बंधक बनाया गया था। संघर्षविराम के दौरान भी मौतों का आंकड़ा बढ़ा है, क्योंकि नए हमलों के अलावा मलबे से पुराने शव भी निकाले जा रहे हैं। मंत्रालय का कहना है कि मृतकों में अधिकांश महिलाएं और बच्चे हैं।

महिलाओं को नौकरी के लिए घर बुलाता, बेहोश कर करता था यौन शोषण

ऑनलाइन जालसाजी और भयावह खेल

मास्को, एजेंसी। रूस की राजधानी मास्को के ज्वेज्दा इलाके से एक ऐसी खौफनाक कहानी सामने आई है जिसने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है। 46 वर्षीय दिमित्री आर्टामोशिन नामक व्यक्ति पर महिलाओं को नैनी (दाई) की नौकरी का झांसा देकर बुलाने और फिर उनके साथ अमानवीय अत्याचार करने का आरोप लगा है। दिमित्री की करतूतें किसी भयानक क्राइम थ्रिलर से कम नहीं हैं।

बाहर से दिमित्री एक शांत और सामान्य व्यक्ति जैसा दिखता था जो अपने 9 साल के बेटे की देखभाल के लिए एक नैनी की तलाश में था। वह ऑनलाइन विज्ञापन देकर युवा महिलाओं को नौकरी के लिए अपने घर बुलाता था। पुलिस जांच में पता चला कि घर के अंदर का सच बेहद भयावह था। वह महिलाओं को नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाता था उन्हें बेहोश करता था और फिर उन्हें बंधक बनाकर मारता-पीटता था। पुलिस के अनुसार उस पर कई महिलाओं के यौन शोषण का आरोप है। कुछ महिलाओं को उसने अपने घर में कैद करके भी रखा। इस मामले का सबसे दर्दनाक पहलू यह है कि दिमित्री का 9 साल का बेटा भी इस दरिंदगी का मूक गवाह और पीड़ित था। रिपोर्ट्स के मुताबिक बच्चे को अपने पिता की हैवानियत देखनी पड़ती थी। विरोध करने पर

उसे पीटा जाता था। जांच में सामने आया है कि बच्चे के शरीर पर कई चोटों के निशान हैं और वह मानसिक आघात से जूझ रहा है। आरोपी पिता पर यह भी आरोप है कि वह अपने बेटे को शराब लाने के लिए जबरन कार चलाने को मजबूर करता था और महिलाओं को दिए जाने वाले नशीले पेय बच्चे को भी पिलाता था। यह खौफनाक राज तब खुला जब पीड़ित महिलाओं में से एक किसी तरह दिमित्री के चंगुल से भाग निकलने में कामयाब हुई। इस सर्वाइवर ने पुलिस के पास जाकर पूरा सच बताया। महिला ने बताया कि दिमित्री शुरू में साधारण लगता था लेकिन घर में घुसते ही वह एक जानवर बन जाता था। इसके अलावा दिमित्री की पत्नी भी मार्च में किसी तरह उससे बचकर भाग निकली थी। उसने भी पुलिस को बताया कि दिमित्री उसे लगातार ड्रग्स देता था, पीटता था और उसका यौन शोषण करता था। जब पुलिस दिमित्री आर्टामोशिन के घर पहुंची तो अंदर का नजारा देखकर अधिकारी भी हैरान रह गए। बच्चा गंभीर रूप से घायल मिला, घर से गंदी बदबू आ रही थी और भारी मात्रा में नशीले पदार्थ भी बरामद किए गए। पुलिस ने दिमित्री को दो महिलाओं की हत्या, कई बार बलात्कार, यौन हिंसा और महिलाओं को नशा करने के लिए मजबूर करने के गंभीर आरोपों में गिरफ्तार कर लिया है। यदि दिमित्री मानसिक परीक्षण में सामान्य पाया जाता है तो उसे उम्रकैद की सज़ा हो सकती है। यदि वह मानसिक रूप से अस्वस्थ पाया गया तो उसे अनिश्चितकाल के लिए मानसिक रोगियों के एक सुरक्षित केंद्र में रखा जाएगा।

साउथ अफ्रीकी राष्ट्रपति ने ट्रम्प की मांग नहीं मानी

अमेरिका के बायकॉट के बावजूद जी20 घोषणापत्र मंजूर

जोहान्सबर्ग, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बायकॉट के बावजूद जी20 समिट के पहले दिन शनिवार को सदस्य देशों ने साउथ अफ्रीका के बनाए घोषणा पत्र को सर्वसम्मति से मंजूर कर लिया।

साउथ अफ्रीकी राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने बताया कि सभी देशों का अंतिम बयान पर सहमत होना बेहद जरूरी था, भले ही अमेरिका इसमें शामिल नहीं हुआ।

ट्रम्प ने आखिरी सेशन में मेजबानी लेने के लिए एक अमेरिकी अधिकारी को भेजने की बात कही थी। रॉयटर्स के मुताबिक, दक्षिण अफ्रीकी अध्यक्षता ने अमेरिकी अधिकारी को मेजबानी सौंपने के प्रस्ताव को नकार दिया।

अफ्रीकी राष्ट्रपति रामफोसा आज जी20 की अगली अध्यक्षता खाली कुर्सी को सौंपेंगे। दरअसल, जी20 समिट की 2026 की मेजबानी अमेरिका को मिलनी है। हालांकि ट्रम्प के बायकॉट के चलते अमेरिका का कोई भी प्रतिनिधि समिट में शामिल नहीं हुआ।

जी20 को दुनिया के सबसे शक्तिशाली देशों के ग्रुप जी7 के विस्तार के रूप में देखा जाता है। जी7 में फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, ब्रिटेन, अमेरिका और कनाडा हैं। 1997-98 में एशिया के कई देश (थाईलैंड, इंडोनेशिया, कोरिया आदि) आर्थिक संकट का सामना कर रहे थे। उस समय सिर्फ जी7 (7 अमीर देश) फैसले लेते थे, लेकिन संकट एशिया में था।

जी7 ने महसूस किया कि अब सिर्फ 7 देश मिलकर दुनिया नहीं चला सकते, बल्कि भारत, चीन, ब्राजील जैसे विकासशील देशों को भी शामिल करना पड़ेगा। इन देशों ने 1999 में जी20 बनाया।

ब्रिटिश स्वास्थ्य मंत्री की चौंकाने वाली चेतावनीः

ब्रिटेन में प्रवासी-विरोध के नाम पर बढ़ा नस्लवाद

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में नस्लवाद को लेकर बहस फिर तेज हो गई है। प्रधानमंत्री कीयर स्टार्मर ने रिफॉर्म यूके के नेता निगेल फराज से उन पर लगाए गए नस्लवाद, स्कूल के समय यहूदियों के खिलाफ टिप्पणियों और विदेशियों पर की गई आपत्तिजनक बातों के बारे में सफाई मांगी है। फराज ने सभी आरोपों को नकार दिया। कुछ सप्ताह पहले ही रिफॉर्म यूके की सांसद सारा पोचिन एक विज्ञापन में सिर्फ अश्वेत और एशियाई लोगों के दिखने पर आपत्ति जताकर विवाद में आई थीं। फराज ने उनकी टिप्पणी को भद्दी तो कहा, लेकिन नस्लवादी मानने से इंकार कर दिया। यह विवाद दिखाता है कि आज भी नस्लवादी कहलाना एक बड़ा सामाजिक कलंक है, लेकिन क्या यह कलंक कमज़ोर हो रहा है? नस्लवाद का अध्ययन करने वाले विशेषज्ञों का मानना है कि हां आज नस्लवादी बातों को पहले जितना गंभीर नहीं माना जा रहा। ब्रिटेन के स्वास्थ्य मंत्री वेस स्ट्रीटिंग ने हाल ही में कहा कि स्वास्थ्यकर्मी बढ़ते नस्लवाद का सामना कर रहे हैं और यह 1970-80 के दशक के घिनौने नस्लवाद जैसा लगने लगा है। उनके अनुसार, आज नस्लवादी होना सामाजिक रूप से स्वीकार्य जैसा प्रतीत होता है। नफरत अपराधों के आंकड़े और कई रिपोर्टें दिखाती हैं कि नस्लवाद तेजी से फैल रहा है। कई घटनाओं में लोग खुलेआम ऐसे बयान दे रहे हैं जो पिछले दशकों में संभव नहीं थे।

बांग्लादेश में फिर लगे भूकंप के झटके

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में भूकंप के तेज झटकों से लोग दहशत में आ गए हैं। भूकंप के कारण कई इमारतें धराशायी हो गईं, जिनकी चपेट में आकर 10 लोगों की मौत हो गई है। पिछले 32 घंटे के भीतर बांग्लादेश में लगातार कई झटके महसूस किए जा चुके हैं। एक्सपर्ट्स के अनुसार, यह किसी बड़े भूकंप के आने के संकेत हो सकते हैं।

बांग्लादेश में शुक्रवार की सुबह 5.7 के मैग्नीट्यूड का भूकंप आया था, जिसका असर बांग्लादेश की राजधानी ढाका समेत कई जगहों पर देखने को मिला। इस दौरान 10 लोगों की जान चली गई। इस घटना को 24 घंटे भी नहीं बीते थे कि शनिवार की सुबह बांग्लादेश में फिर से भूकंप के झटके महसूस किए गए। इसके बाद शनिवार की शाम को लगातार दो बार भूकंप के झटके लगने से लोग दहशत में

आ गए। बांग्लादेश मौसम विभाग के अनुसार, भूकंप का केंद्र ढाका के बड्डा में जमीन के नीचे दर्ज किया गया है, जिसकी तीव्रता 3.7 थी। यह एक भीड़भाड़ वाला इलाका है। वहीं, 4.3 की तीव्रता वाले दूसरे झटके का केंद्र बड्डा से सटे नरसिंगडी में जमीन से 10 किलोमीटर नीचे था। भूकंप के झटकों से बांग्लादेश में कई इमारतों में दरारें आ गई हैं। यह झटके लगातार 25 सेकेंड तक महसूस होते रहे। तारिफुल नवाज कबीर के अनुसार, भूकंप की तीव्रता बेशक कम थी, लेकिन यह लंबे समय तक महसूस होते रहे।

बता दें कि बांग्लादेश टेक्टोनिक प्लेटों के जॉइंट पर स्थित है। ऐसे में विशेषज्ञ यहां लंबे समय से किसी बड़े भूकंप के आने की चेतावनी दे रहे हैं। खासकर ढाका भूकंप के लिहाज से दुनिया के 20 बेहद संवेदनशील शहरों की लिस्ट में शामिल है। वहीं, इस शहर में जर्जर इमारतें और घनी आबादी के कारण अधिक नुकसान देखने को मिल सकता है। हालांकि, यह पहली बार नहीं है, जब बांग्लादेश पर भूकंप का खतरा मंडरा रहा है। इससे पहले 1869 और 1930 में भारत का हिस्सा रहे इस क्षेत्र में 7.0 की तीव्रता वाला भूकंप आया था, जिसने भारी तबाही मचाई थी।

वेनेजुएला के पास हवाई क्षेत्र को लेकर अलर्ट जारी

अमेरिका ने बी-52 बॉम्बर से किया डेमो अटैक

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका और वेनेजुएला के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। शुक्रवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सैन्य विकल्पों को खुला रखते हुए बी-52 परमाणु-सक्षम बॉम्बर का अटैक डेमो करवाया। इसी के कुछ ही देर बाद अमेरिकी विमानन नियामक फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने वेनेजुएला के हवाई क्षेत्र को लेकर नई एविएशन अलर्ट जारी की।

अमेरिका की फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने दोपहर 1:08 बजे एक नोटिस टू एयरमेन जारी करते हुए कहा कि वेनेजुएला के हवाई क्षेत्र में संभावित रूप से खतरनाक स्थिति बन सकती है। इस चेतावनी में कहा गया कि सुरक्षा जोखिम बढ़ रहे हैं, सैन्य गतिविधि तेज है और इन हालात का असर

सभी ऊंचाइयों पर उड़ने वाले विमानों पर पड़ सकता है- चाहे वे ओवरफ्लाइट हों, टेकऑफ, लैंडिंग पर हों या जमीन पर। यह सलाह मैक्केटिया उड़ान सूचना क्षेत्र (एफआईआर) के लिए है, जिसमें पूरा वेनेजुएला, दक्षिणी कैरेबियन और कोलंबिया, गुयाना, ब्राजील और त्रिनिदाद के ऊपर का हवाई क्षेत्र शामिल है।

एफएए की चेतावनी के तुरंत बाद अमेरिकी वायुसेना ने पुष्टि की कि एक बी-52 स्ट्रैटोफोर्टेस बॉम्बर, दो केसी-135 टैंकरों और लड़ाकू विमानों के साथ दक्षिणी कमांड क्षेत्र में बॉम्बर अटैक डेमो उड़ान पर गया। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक यह ऑपरेशन उन ड्रग तस्करी नेटवर्क के खिलाफ चल रहे मिशनों का हिस्सा है जिनके तार वे वेनेजुएला से जोड़ते हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि वेनेजुएला पर कार्रवाई के सभी विकल्प खुले हैं। उन्होंने दावा किया कि मादुरो नार्को-टेररिज्म को संरक्षण दे रहे हैं और इससे अमेरिका को तगड़ा नुकसान हो रहा है, चाहे वह ड्रग तस्करी हो या गैर-कानूनी प्रवासन। ट्रंप ने यह भी कहा कि वे शायद वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो से बात कर सकते हैं, लेकिन किसी भी विकल्प को नकार नहीं रहे। ट्रंप के बयान के बाद मादुरो ने भी कहा कि वे अमेरिकी प्रशासन से बातचीत के लिए तैयार हैं। इससे कूटनीतिक हलचल और बढ़ गई है कि क्या दोनों देशों के बीच बातचीत शुरू हो सकती है या हालात और बिगड़ेंगे। सूत्रों के अनुसार, वॉशिंगटन कार्टेल डे लॉस सोल्स, जिसे अमेरिका मादुरो के नियंत्रण में चलने वाला ड्रग नेटवर्क बताता है, को आतंकी संगठन घोषित करने की तैयारी कर रहा है।

भारतीय पायलट की शहादत पर जताया शोक, कहा-पड़ोसी के साथ प्रतिस्पर्धा "केवल आकाश में

इस्लामाबाद एजेंसी। पाकिस्तान ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर नाटकबाज़ी शुरू कर दी है। इस बार उसने एक भारतीय पायलट की शहादत पर दिखावटी शोक जताकर दुनिया में सहानुभूति बटोरने की कोशिश की। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने दुबई एयर शो के दौरान विमान दुर्घटना में जान गंवाने वाले पायलट के परिवार और भारतीय वायुसेना के प्रति संवेदना जतायी है। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देश के साथ प्रतिस्पर्धा ''केवल आकाश में है। भारतीय वायुसेना का तेजस लड़ाकू विमान शुक्रवार को दुबई एयर शो में प्रदर्शन के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें उसके पायलट विंग कमांडर नमांश स्याल की मौत हो गई। आसिफ ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर रात में पोस्ट किया, पाकिस्तान स्ट्रेटेजिक फोरम पूरे देश की तरफ से भारतीय वायुसेना और भारतीय वायुसेना के उस एचएएल एलसीए तेजस के पायलट के परिवार के प्रति गहरी संवेदना जताता है, जो आज दुबई एयर शो 2025 में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। फोरम के 'एक्स अकाउंट पर दी गई जानकारी के मुताबिक, 'पाकिस्तान स्ट्रेटेजिक फोरम, पाकिस्तान और सहयोगी देशों के रक्षा विश्लेषकों की एक एजेंसी है, जो सामरिक और सैन्य अंतर्दृष्टि प्रदान करती है।

खबर-खास

मुख्यमंत्री साय आज महासमुंद के दौरे पर

महासमुंद (समय दर्शन)। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज 26 नवंबर को जिला महासमुंद अंतर्गत बसना तहसील के ग्राम सलखंड के दौरे पर रहेंगे। जनसंपर्क विभाग महासमुंद द्वारा जारी सूचना के अनुसार मुख्यमंत्री साय दोपहर 2:05 बजे ओडिशा बरगढ़ से प्रस्थान कर दोपहर 2:45 बजे बड़ेसाजापाली हेलीपेड पहुंचेगे तथा ग्राम सलखंड में मां महालक्ष्मी देवी मंदिर में दर्शन एवं पूजा कार्यक्रम में शामिल होंगे। तत्पश्चात दोपहर 3:20 बजे वे सलखंड से बड़ेसाजापाली हेलीपेड के लिए प्रस्थान करेंगे। इसके पश्चात दोपहर 3:25 बजे रायपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

तालाब सौंदर्यीकरण और मुक्तिधाम निर्माण के लिए तीन करोड़ से अधिक की राशि मंजूर

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद सूडा द्वारा स्वीकृति आदेश जारी

दुर्ग (समय दर्शन)। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के राज्य शहरी विकास अभिकरण (स्ढ्ढ) द्वारा दुर्ग जिले के पाटन नगर पंचायत में चार तालाबों के सौंदर्यीकरण तथा मुक्तिधाम निर्माण के लिए तीन करोड़ रुपए से अधिक की राशि मंजूर की गई है। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन मंत्री श्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद सूडा द्वारा इन कार्यों की स्वीकृति के आदेश जारी कर दिए गए हैं।

सूडा द्वारा पाटन नगर पंचायत के वार्ड क्रमांक-1 में दुबे डबरी सौंदर्यीकरण एवं विकास कार्य के लिए 51 लाख 42 हजार रुपए, वार्ड क्रमांक-7 में सरगबुंदिया तालाब सौंदर्यीकरण एवं विकास कार्य के लिए 43 लाख रुपए, वार्ड क्रमांक-8 में बुद्धु तालाब के सौंदर्यीकरण के लिए 84 लाख 61 हजार रुपए तथा वार्ड क्रमांक-12 में महामाया तालाब सौंदर्यीकरण एवं विकास कार्य के लिए 99 लाख 31 हजार रुपए स्वीकृत किए गए हैं। वार्ड क्रमांक-5 में मुक्तिधाम के निर्माण के लिए भी सूडा द्वारा 23 लाख 14 हजार रुपए मंजूर किए गए हैं। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने सभी कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए समय-सीमा में काम पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

संविधान दिवस 2025 -अमृत सरोवर स्थलों पर होंगे विशेष कार्यक्रम

दुर्ग (समय दर्शन)। भारत की संविधान सभा ने 26 नवंबर 1949 को भारत के संविधान को अपनाया था। इस ऐतिहासिक अवसर को स्मरण करते हुए प्रत्येक वर्ष 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाया जाता है। भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा जारी निर्देशों के अनुरूप इस वर्ष भी जिले के सभी अमृत सरोवर स्थलों पर विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इन कार्यक्रमों में युवाओं, स्कूल एवं कॉलेजों के छात्रों, मनरेगा श्रमिकों, स्व-सहायता समूहों की महिलाओं तथा आजीविका दीदियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया है।

जिला पंचायत से प्राप्त जानकारी अनुसार जिले में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के माध्यम से अब तक कुल 123 अमृत सरोवर विकसित किए जा चुके हैं, जिनमें जनपद पंचायत धमधा में 50, जनपद पंचायत दुर्ग में 36, जनपद पंचायत पाटन में 37 सरोवर शामिल हैं। ये अमृत सरोवर जल संरक्षण के साथ-साथ वृक्षारोपण, सिंचाई, कृषि आधारित सब्जी उत्पादन और मत्स्य पालन जैसी आजीविका गतिविधियों को प्रोत्साहित कर रहे हैं। अमृत सरोवर स्थलों में संविधान दिवस पर आयोजित होने वाली प्रमुख गतिविधियों में संविधान की प्रस्तावना का हिंदी/अंग्रेजी में सामूहिक वाचन, संविधान में निहित मौलिक कर्तव्यों, अधिकारों एवं मूल्यों पर चर्चा, जल एवं सरोवर संरक्षण के लिए सामूहिक प्रतिज्ञा, विद्यार्थियों और युवाओं द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ शामिल होंगी। इसके साथ ही सरोवरों में गाद निकासी, पौधारोपण और स्वच्छता अभियान भी चलाए जाएंगे। कार्यक्रम स्थल पर संविधान एवं मिशन अमृत सरोवर से संबंधित सूचना बोर्ड और पोस्टर प्रदर्शित किए जाएंगे, जिन पर अनिवार्य रूप से एक प्रण -जल संरक्षण टैगलाइन अंकित होगी।

कलेक्टर श्रीमती मिश्रा ने आज धान खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का किया पड़ताल

बालोद (समय दर्शन)। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा ने समर्थन मूल्य पर धान खरीदी कार्य का जायजा लेने आज सुबह से ही जिले के विभिन्न धान खरीदी केन्द्रों में दबीश दी। इसके अंतर्गत आज उन्होंने गुण्डरदेही विकासखण्ड के पैरी, सिकोसा, रेंगाकठेरा एवं कचांदुर धान खरीदी केन्द्रों में पहुँचकर सभी धान खरीदी केन्द्रों में चल रहे धान खरीदी के कार्य सहित संपूर्ण व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने धान खरीदी केन्द्र सिकोसा में किसानों के धान खरीदी के उपरांत स्टेक में रखे गए लगभग 2100 बारदानों पर स्टेनसील नही लगाने तथा धान खरीदी केन्द्र सिकोसा में व्यवस्था संतोषप्रद नही पाए जाने पर गहरी नाराजगी व्यक्त की। इसके लिए उन्होंने धान खरीदी केन्द्र सिकोसा के तात्कालीन समिति प्रबंधक एवं वर्तमान ग्राम पंचायत सचिव देवेन्द्र देवांगन को एस्मा के तहत तत्काल निलंबित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने धान खरीदी केन्द्र सिकोसा के नोडल अधिकारी भूमिका सिंगारे एवं निगरानी दल के सदस्य तथा ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी श्री सुनील साहू के अलावा वर्तमान समिति प्रबंधक श्री खेमराज साहू को एस्मा के तहत कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

सफलता की कहानी: सरकार की पारदर्शी धान खरीदी व्यवस्था ने बदली किसानों की किस्मत

ग्राम किरकी के किसान

तुकाराम साहू बोले-सरकार हे हमर साथ, चिंता करे के नई हे कोनो बात

बेमेतरा (समय दर्शन)। जब सरकार अपनी जनता-विशेषकर किसानों, मजदूरों और मेहनतकश लोगों-की चिंता करती है, तब उनके जीवन में खुशहाली के नए द्वार खुलते हैं। पहले जहां किसान धान बेचने के लिए लम्बी कतारों, अनिश्चितता और परेशानियों से जूझते थे, वहीं अब शासन की दूरदर्शी नीतियों और नई तकनीक आधारित व्यवस्था ने उनकी जिंदगी में राहत, सम्मान और स्थायित्व की नई रोशनी भर दी है।

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा इस वर्ष धान खरीदी के लिए की गई व्यापक तैयारियों, पारदर्शी व्यवस्था, टोकन तुहर हाथ जैसी आधुनिक तकनीक और किसानों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण ने ग्रामीण अंचल में एक सकारात्मक परिवर्तन लाया है। किसानों के चेहरे पर मुस्कान और घरों में खुशहाली इस बदलाव की स्पष्ट तस्वीर पेश करती है।

ग्राम किरकी के मेहनतकश किसान श्री तुकाराम साहू ने पदमी धान उपार्जन केंद्र में 100 क्विंटल धान बेचकर शासन की सुगठित एवं सुव्यवस्थित धान खरीदी प्रणाली की प्रशंसा की है। उन्होंने धान बेचने के बाद प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा- कि जब सरकार हमर साथ खड़ी हे, त चिंता करे के नई हे कोनो बात। अब किसान मन पूरा आराम से धान बेच सकत हावय, काबर व्यवस्था एकदमा साफ-सुथरा बन गे हे। तुकाराम साहू बताते हैं कि इस बार धान खरीदी केंद्र पहुँचने पर न सिर्फ उचित व्यवस्था थी, बल्कि कोई भी अनावश्यक भीड़ या अव्यवस्था देखने को नहीं मिली।समय पर टोकन, व्यवस्थित तौल, पारदर्शी प्रक्रिया और सहयोगी कर्मचारियों का व्यवहार इन सबने किसानों के लिए धान बेचने की प्रक्रिया को आसान बना दिया।

परिवार संग सुकून भरे पल-नई व्यवस्था से जीवन में आया स्थायित्व

तुकाराम साहू जैसे हजारों किसान अब धान बेचने के बाद परिवार के साथ संतोष की सांस ले पा रहे हैं। वे बताते हैं कि पहले धान खरीदी के दौरान कई दिनों की मशक्कत, चिंता और आर्थिक अनिश्चितता बनी रहती थी। लेकिन अब समय की बचत आय की गारंटी और बिना तनाव के धान बिक्री ने परिवार के साथ बिताने के सुकून भरे पलों को बढ़ा दिया है।

पाटन ब्लॉक में तेजी से चल रहा एस आई आर, एसडीएम और तहसीलदार पहुंचे निरीक्षण करने

पाटन (समय दर्शन)। मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण स्ढ्ढक्र कार्य पाटन ब्लॉक में जोरो से चल रही है। प्रत्येक गांव में चल रहे एस आई आर कार्यों पर एसडीएम पाटन लवकेश ध्रुव नजर रखे हुए है। उन्होंने बताया कि सभी बी एल ओ और इस कार्य में लगे सभी शिक्षक अधिकारी कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिए है कि समय अवधि में काम पूरा करना है। अब मतदाता भी पहुंच रहे है। आज मंगलवार को एसडीएम पाटन ने सेलूद सहित आसपास के गांव में जाकर चल रहे एस आई आर कार्य का निरक्षण किया। यहां पर एक बूथ में आनलाइन का काम थोड़ा धीरे चल रहा था जिसे तेजी लाने के निर्देश दिए। जानकारी के मुताबिक अभी तक पाटन ब्लॉक में 50 फीसदी से अधिक आनलाइन किया जा चुका है। पाटन ब्लॉक के कई गांवों में यह कार्य 90 प्रतिशत तक भी पूरी कर ली गई है। राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देश पर अभी मतदाता गहन पुनरीक्षण का कार्य जारी है। इस कार्य में राजस्व विभाग सहित अन्य विभाग के अधिकारी कर्मचारियों को भी लगाया गया है। गांव में मितानिन, आंगन बाड़ी कार्यकर्ता सहित पंचायत सचिव, रोजगार सहायक भी इसी कार्य में जुट हुए है। ऑफलाइन फॉर्म जमा करने भी मतदाताओं ने भी काफी रुचि दिखाई है। वही आनलाइन में कही कही सर्वर की समस्या होने का भी खबर है। जिसे एसडीएम के निर्देश पर ठीक कराया गया।

ठेठवार यादव समाज पाटन राज के कार्यकारिणी सहित युवा और महिला प्रकोष्ठ पदाधिकारियों का विस्तार, बलराम यादव मीडिया प्रभारी बने

पाटन (समय दर्शन)। ठेठवार यादव समाज पाटन राज के अध्यक्ष ईश्वर यादव ने अपने कार्यकारिणी के साथ ही युवा प्रकोष्ठ , महिला प्रकोष्ठ, और न्याय समिति के पदाधिकारियों की सूची जारी की है। एक बार फिर से बलराम यादव को पाटन राज का मीडिया प्रभारी बनाया गया है। इसके अलावा समाज के संरक्षक खेमराज यदु सावनी, नंदकुमार यादव गबदी, गैंदलाल यादव औंसर को बनाया है। सामाजिक पदाधिकारियों में पाटन राज अध्यक्ष ईश्वर यादव बोरेंदा, सचिव अश्वनी यादव पाहंदा, कोषाध्यक्ष अश्वनी यादव परसाही टी, उपाध्यक्ष संतोष यादव कानाकोट, जितेंद्र यादव अचानकपुर, सह सचिव संतोष यादव रनचिराई, मोहन यादव असोगा,प्रचार मंत्री यशवंत यादव खुटेरी, राजकुमार यादव धौराभाठा , राकेश यादव औसर , संगठन मंत्री राकेश यादव सावनी, ईश्वर यादव चुलगहन, लेखराम यादव तर्रा मिडिया प्रभारी बलराम यादव सेलूद , अकेंक्षक जितेंद्र कुमार यदु पाहंदा, राज महतो राजकुमार यादव तेलीगुंडरा को बनाया गया। इसके अलावा सदस्य सभी परिक्षेत्र के अध्यक्ष व सचिव, महिला प्रकोष्ट के अध्यक्ष व सचिव, युवा प्रकोष्ट के अध्यक्ष व सचिव कार्यकारिणी में पदेन सदस्य होंगे। पाटन राज ठेठवार यादव समाज के महिला प्रकोष्ट संरक्षक ?श्रीमति सुनीता यादव बोरेंदा,अध्यक्ष श्रीमति भारती यदु तर्रा,सचिव श्रीमति मंजूलता यादव बोरवाय,कोषाध्यक्ष श्रीमति गायत्री यादव करेला,

उपाध्यक्ष श्रीमति कुंती यादव मचादुंर, उत्तरा यादव डोंगीतराई, सह सचिव श्रीमति संध्या यदु गबदी, सुनीता यदु पेंडरी, प्रचार मंत्री श्रीमति रानी यदु सावनी, अरुणा यादव पर साही टी, दुलारी यदु सिकोला संगठन मंत्री श्रीमति पल्लवी यादव कुम्हली, हेम वर्षा मर्रा तथा सदस्यों में श्रीमति देवकी यदु तर्रा, प्रभा यदु सिर्री, मालती यदु मचादुंर, दुर्गा यदु सावनी, स्यामा यादव गाड़ाडीह, शैलेंदरी यादव कुम्हली को शामिल किया गया है। इसी प्रकार समाज के युवा प्रकोष्ट का संरक्षक मदन यादव केसरा, चन्द्र शेखर यदु सावनी, इध्रजीत यादव सिर्री , अध्यक्ष ?ओमप्रकाश यदु तर्रा सचिव भुनेश्वर यादव सिकोला, कोषाध्यक्ष पवन यादव कसही, उपाध्यक्ष कमलेश यादव कुम्हली, महेन्द्र यादव सावनी, सह सचिव सनत यादव बोरेंदा, देवेंद्र यादव सावनी , प्रचार मंत्री गोपाल यादव बीजाभाठा, मोहित यदु गभरा, त्रिभुवन यादव सेलूद, संगठन मंत्री उत्तम यादव गाड़ाडीह, ललित यादव बेलौदी को बनाया गया। समाज के न्याय समिति में बाला राम यादव पाहंदा, मधुसुदन यादव डोंगी तराई, नेतराम यादव बोरवाय, झुमुक यादव सोनपुर, संतोष यादव छाटा, संतोष यादव कुरमीगुंडरा, सदा राम यादव फुंडा को जिम्मेदारी दी गई है।

विशेष ट्रेंच तकनीक से ग्राम लिटिया की बंजर जमीन हरियाली में हुई तब्दील

सफलता की कहानी

दुर्ग (समय दर्शन)। विकासखण्ड धमधा के ग्राम पंचायत लिटिया की वर्षों से पड़ी बंजर भूमि अब हरी-भरी हरियाली में तब्दील हो चुकी है। यह परिवर्तन महात्मा गांधी नरेगा योजना के तहत अपनाई गई विशेष ट्रेंच वृक्षारोपण तकनीक के कारण संभव हुआ है, जिसने गांव की सूखी और अनुपयोगी जमीन को नया स्वरूप प्रदान किया है।

ग्राम सभा के प्रस्ताव के अनुसार लगभग 2 हेक्टेयर क्षेत्र में 1400 पौधों का रोपण किया गया, जिनमें नीम, आँवला और बादाम के पौधे शामिल हैं। पहले यह भूमि असमान सतह, मिट्टी कटाव, वर्षा जल के तेज बहाव और अवैध कब्जे की संभावना के कारण अनुपयोगी बनी हुई थी और साधारण रोपण में पौधे जीवित नहीं रह पाते थे। इन समस्याओं को ध्यान में रखते हुए ट्रेंच विधि अपनाई गई, जिसमें प्रत्येक पौधे के पास गहरी और चौड़ी खाइयाँ बनाकर वर्षा जल को रोकने, मिट्टी की नमी बनाए रखने और जड़ों को मजबूती देने का प्रबंध किया गया। इस तकनीक से जमीन की गुणवत्ता में सुधार हुआ, पौधों की जड़ें गहराई तक विकसित हुईं और गर्मी के मौसम में भी वे सुरक्षित रह सके। साथ ही भूमि कटाव पर पूरी तरह रोक लगी और भू-जल स्तर में वृद्धि का सकारात्मक प्रभाव देखा गया।

ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती पांचो बाई बंजारे और सचिव श्री मिथलेश यादव के नेतृत्व में पौधों की नियमित निगरानी, सिंचाई, खाद और सुरक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। 15वें वित्त आयोग से प्राप्त पचास हजार रुपये की राशि से पंपलाइन और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया। मनरेगा मजदूरों और ग्रामीणों के संयुक्त प्रयासों ने इस परियोजना को सामुदायिक स्वरूप दिया, जिससे न केवल खाली भूमि सुरक्षित हुई, बल्कि गांव की जैव विविधता में वृद्धि भी हुई। ग्रामीणों ने बताया कि वृक्षारोपण से गांव में हरियाली बढ़ रही है और पशु-पक्षियों के लिए प्राकृतिक आवास भी विकसित हो रहा है। परियोजना के अंतर्गत 1400 पौधों का रोपण, 2304 मानव दिवसों का सृजन, दस लाख अठारह हजार एक सौ सत्तासी रुपये की मजदूरी व्यय, चार लाख सड़सठ हजार नौ सौ छियानबे रुपये की सामग्री लागत तथा कुल 426 परिवारों को प्रत्यक्ष लाभ मिला है। ट्रेंच तकनीक से किया गया यह वृक्षारोपण कार्य पर्यावरण संरक्षण, भूमि सुधार, जल संचयन और रोजगार उपलब्ध कराने का एक उत्कृष्ट उदाहरण बन गया है। ग्राम पंचायत लिटिया ने बंजर भूमि को हरी-भरी हरियाली में बदलकर मनरेगा के सकारात्मक प्रभाव को सिद्ध किया है।

सोनसरी के मनराखन को मिला सम्मानजनक आवास, बदली ज़िंदगी की दिशा

पीएम आवास से गरिमा तक की प्रेरक यात्रा

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। जिले के सोनसरी गांव के निवासी श्री मनराखन निर्मलकर के जीवन में वह पल आखिरकार आया, जिसका वे वर्षों से इंतजार कर रहे थे। गरीब परिवार से होने के कारण वे जर्जर कच्चे मकान में रह रहे थे जहां बरसात में टपकती छत, भीगती दीवारें और असुरक्षित रहने की मजबूरी उनके परिवार के लिए रोज़ की चुनौती थी। सीमित आय और आर्थिक तंगी के चलते 'पक्के घर' का सपना उनके लिए लगभग असंभव था। लेकिन प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण ने उनके जीवन में उम्मीद की किरण जगाई। वर्ष 2024-25 में उन्हें 1.20 लाख रूपए की स्वीकृत राशि मिली, और इसी क्षण से उनके सपनों के घर का निर्माण शुरू हुआ। निर्माण के दौरान उन्हें महात्मा गांधी नरेगा के माध्यम से 90 दिवस की मजदूरी का भुगतान किया गया। इसके साथ ही स्वच्छ भारत मिशन के तहत जलवाहित शौचालय और प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से एलपीजी गैस कनेक्शन मिला, जिससे उनके जीवन की गुणवत्ता और बेहतर हो गई। शासन की योजनाओं का यह समन्वय उनके लिए सुविधा, सम्मान और सुरक्षा का प्रतीक बन गया।

आज वे अपने नव-निर्मित पक्के घर में सुरक्षित, स्वाभिमानपूर्ण और गरिमापूर्ण जीवन जी रहे हैं। उनकी खुशी शब्दों में बयां नहीं होती। वे भावनात्मक होकर बताते हैं गरीबी के कारण घर बनाना मेरे लिए सिर्फ़एक सपना था। प्रधानमंत्री आवास योजना ने मेरे उस सपने को घर की नींव में बदल दिया। आज मैं और मेरा परिवार सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जी रहे हैं। मैं शासन का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। श्री मनराखन की कहानी यह सिद्ध करती है कि प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण सिर्फ़ घर नहीं देती - बल्कि सुरक्षा, सम्मान, आत्मविश्वास और उज्ज्वल भविष्य देती है। उनकी यह सफ्लता ग्रामीण भारत में चल रहे आवासीय परिवर्तन का सशक्त प्रमाण है और यह दिखाती है कि शासन की योजनाएँ सही लाभार्थियों तक पहुँचकर उनके जीवन में वास्तविक बदलाव ला रही हैं।

कलेक्टर शर्मा की अध्यक्षता मे समय सीमा की बैठक संपन्न

बेमेतरा (समय दर्शन)। कलेक्टर श्री रणवीर शर्मा ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष (दिशा भवन) में समय-सीमा की बैठक लेकर विभिन्न विभागों द्वारा संचालित शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं की प्रगति एवं भौतिक स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में उन्होंने निर्देशित किया कि सभी विभागीय अधिकारी जनहित से जुड़े कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दें और पात्र हितग्राहियों को समय सीमा में योजनाओं का लाभ सुनिश्चित कराएँ। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे निर्धारित समय पर कार्यालय में उपस्थित हों। उन्होंने कहा कि कार्यालय में आने वाले आम नागरिकों की समस्याओं को सहानुभूति और संवेदनशीलता के साथ सुना जाए तथा नियमानुसार शीघ्र समाधान किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि सरकारी सेवाओं का लाभ लेने आने वाले लोगों के साथ विनम्रता और सकारात्मक व्यवहार अनिवार्य है।

बैठक में कलेक्टर ने मुख्यमंत्री जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने कहा। उन्होंने शासन की भावना के अनुरूप गुणवत्ता युक्त एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि जनहित से जुड़े प्रकरणों में किसी भी प्रकार की देरी स्वीकार्य नहीं होगी। कलेक्टर श्री शर्मा ने बैठक में धान खरीदी की व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि धान खरीदी में लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पात्र किसानों को धान विक्रय में कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। अवैध धान विक्रय पर कड़ी निगरानी रखी जाए।

गड़बड़ी पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों पर तुरंत सख्त कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने जिले के सभी उपार्जन केंद्रों में सुविधाओं, तौल मशीनों, सुरक्षा व्यवस्था तथा अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि सभी उपार्जन केंद्रों से समयसीमा में धान का उठाव कर संग्रहण केंद्रों में सुरक्षित भंडारण करें। सभी मिलर्स निश्चित समय में एफसीआई में चावल जमा कराना सुनिश्चित करें। कलेक्टर श्री शर्मा ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि नगरीय निकाय क्षेत्र में निवासरत सभी आवासहीन पात्र परिवारों को योजना का लाभ दिया जाए। उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्य बिजली घर योजना की भी समीक्षा की और कहा कि यह एक अत्यंत महत्वाकांक्षी एवं जनहितैषी योजना है।

//न्यायालय तहसीलदार बसना जिला-महासमुन्द (छ.ग.)//

//ईश्तहार//

क्रमांक/202/क/वा-1/तह./20.. बसना, दिनांक 18.11.25

एतद द्वारा सर्वसाधारण के लिए सूचनार्थ प्रकाशन कराया जाता है कि आवेदिका जास्मिन शेख पिता शेख नाहिद निवासी ग्राम/नगर बसना तहसील बसना द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि आवेदक/आवेदिका अपने स्वयं जास्मिन शेख का दिनांक 26.11.2003 को स्थान बसना में जन्म हुआ है। उक्त जन्म/मृत्यु का पंजीयन नहीं हो पाने के कारण उक्त तिथि में स्वयं जास्मिन शेख के जन्म की घटना पंजीकृत किये जाने हेतु इस न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत किया है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को किसी प्रकार के आक्षेप/दावा हो अथवा आवेदन-पत्र प्रस्तुत करना हो तो वे स्वंय या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 02.12.25 को उपस्थित होकर पेश कर सकते है। बाद में प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 18.11.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा से जारी किया गया ।

मुहर

तहसीलदार
बसना

//न्यायालय तहसीलदार बसना जिला-महासमुन्द (छ.ग.)//

//ईश्तहार//

क्रमांक/200/क/वा-1/तह./20.. बसना, दिनांक 18.11.25

एतद द्वारा सर्वसाधारण के लिए सूचनार्थ प्रकाशन कराया जाता है कि आवेदक शेख वाजैद पिता/पति शेख नाहिद निवासी ग्राम/नगर बसना तहसील बसना द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि आवेदक अपने स्वयं शेख वाजैद का दिनांक 31.03.1998 को स्थान बसना में जन्म हुआ है। उक्त जन्म का पंजीयन नहीं हो पाने के कारण उक्त तिथि में स्वयं शेख वाजैद के जन्म की घटना पंजीकृत किये जाने हेतु इस न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत किया है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को किसी प्रकार के आक्षेप/दावा हो अथवा आवेदन-पत्र प्रस्तुत करना हो तो वे स्वंय या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 02.12.25 को उपस्थित होकर पेश कर सकते है। बाद में प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 18.11.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा से जारी किया गया ।

मुहर

तहसीलदार
बसना

//न्यायालय तहसीलदार बसना जिला-महासमुन्द (छ.ग.)//

//ईश्तहार//

क्रमांक/198/क/वा-1/तह./20.. बसना, दिनांक 18.11.25

एतद द्वारा सर्वसाधारण के लिए सूचनार्थ प्रकाशन कराया जाता है कि आवेदिका आफरीन शेख पिता शेख नाहिद निवासी ग्राम/नगर बसना तहसील बसना द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि आवेदिका अपने स्वयं आफरीन शेख का दिनांक 07.02.2001 को स्थान बसना में जन्म हुआ है। उक्त जन्म का पंजीयन नहीं हो पाने के कारण उक्त तिथि में स्वयं आफरीन शेख के जन्म की घटना पंजीकृत किये जाने हेतु इस न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत किया है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को किसी प्रकार के आक्षेप/दावा हो अथवा आवेदन-पत्र प्रस्तुत करना हो तो वे स्वंय या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 02.12.25 को उपस्थित होकर पेश कर सकते है। बाद में प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 18.11.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा से जारी किया गया ।

मुहर

तहसीलदार
बसना

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग (वि./यां.) संभाग दुर्ग

// निविदा आमंत्रण सूचना //

ज्ञाप क्र. 7486 /नि.प्र. क्र.-11/लो.नि.वि./2025-26 दुर्ग, दिनांक 20/11/2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य का विद्युतीकरण कार्य हेतु मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है :

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 01/12/2025 अपरान्ह 5.30 बजे तक

ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 11/12/2025 अपरान्ह 5.30 बजे तक

निविदा खोलने की तिथि :- 12/12/2025 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक

निविदा खोलने की तिथि में अवकाश हो या अधोहस्ताक्षरकर्ता शासकीय दौरे पर हो तो निविदा आगामी कार्य दिवस मे खोली जावेगी।

स.क्र./ निविदा क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)
1	2	3
(1) T0112	Providing Electrification work to 01 No. "I" type Judicial Quarters at Bemetara, District Bemetara	0.96 Lacs
(2) T0113	Providing Electrification work to Govt. High School Building at Shankarpur Block Rajnandgaon, District Rajnandgaon	6.86 Lacs
(3) T0114	S/R for Providing Electrification work for Area Lighting in Rest House Dondi, Block Dondi District Balod	2.05 Lacs
(4) T0115	S/R for Providing Electrification work for Area Lighting in Rest House Sambalpur, Block Dondilohara District Balod	1.90 Lacs
(5) T0116	S/R for Providing Electrification work for Area Lighting in Rest House Gunderdehi, District Balod	2.03 Lacs
(6) T0117	S/R for Providing Electrification work for Area Lighting in Rest House Gurur, Block Gurur District Balod	1.90 Lacs
(7) T0118	Providing and Fixing Electrification work to District Vetenary Department office at Mohla, District MMAC	7.54 Lacs
(8) T0119	Providing and Fixing Electrification work to PWD Sub Division office at Mohla, District MMAC	3.63 Lacs
(9) T0120	Providing and Fixing Electrification work to PWD Sub Division office at Ambagarhchowki, District MMAC	3.63 Lacs

निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdralpur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र मे उपलब्ध है। निविदा संबंधी अन्य शर्ते का अवलोकन संभागीय कार्यालय में किया जा सकता है।

टीप:- (1) आबंटन प्राप्त होने पर ही देयक का भुगतान किया जायेंगा।

जी- 252604957/1

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग (वि./यां.) संभाग दुर्ग

पाटन ब्लॉक में खुलेगा एक और शराब दुकान, ग्राम पंचायत भरर के प्रस्ताव के बाद राज्य सरकार ने दी स्वीकृति

ग्रामीणों के आक्रोश के बाद प्रस्ताव निरस्त किया, रेडिमेट दुकान को ग्रामीणों वापस कराया

पाटन (समय दर्शन)। पाटन ब्लॉक में आगामी कुछ दिनों में एक और शराब दुकान खिलने जा रही हैं। ग्राम पंचायत भरर के सीमा क्षेत्र में घोरारी, करेला के पास शराब दुकान खोलने जमीन का चिन्हांकित भी कर लिया गया है। वही अब प्रस्तावित शराब दुकान का विरोध भी शुरू हो गया है। सूत्रों से जानकारी मिली है कि ग्राम पंचायत भरर द्वारा शराब दुकान खोलने का प्रस्ताव भी दिया जा चुका है। इसके बाद राज्य सरकार ने भी शराब दुकान खोलने अनुमति दे दी है। इसके बाद से अब भरर में

शराब दुकान खोलने की तैयारी कर रहा है। लेकिन यहां पर भी विरोध शुरू हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि इसी मार्ग से बच्चे स्कूल जाते है। महिलाएं खेतों में काम करने जाते है। खेतों के पास ही शराब दुकान खोलने से परेशानी हो सकती है।

सरपंच ने जानकारी दिया कि पहले तो आबकारी विभाग के अधिकारी मार्च माह में गांव आए थे उसके बाद आनन फानन में प्रस्ताव लिया गया। जैसे ही ग्रामीणों को इसकी पता चली तो इसका विरोध शुरू हुआ। जिस दिन प्रस्ताव दिया गया उसके दूसरे दिन सैकड़ों की संख्या में ग्राम की महिलाएं सरपंच के घर में जाकर विरोध किया। इसके बाद शराब दुकान गांव में नहीं खोलने देने की सहमति ग्रामीणों में बनी। पंचायत में एक बार फिर बैठक हुई तो इसके विरोध में प्रस्ताव पारित किए जाने की खबर है। सूत्रों से जानकारी मिली है कि शराब दुकान खुलेगा तो गांव में विकास कार्य के लिए पैसे भी आने तथा और भी अन्य लुभावना सरपंच को दिए गए। अब सरपंच सहित ग्रामीण नहीं चाहते कि गांव में शराब दुकान खुले।

रेडिमेट ठेला नुमा दुकान को वापस किया

जानकारी के मुताबिक शासन ने शराब दुकान खोलने की तैयारी पूरी कर ली है। इसके लिए कुछ दिन पहले ही रेडिमेट ठेलानुमा दुकान को प्रस्तावित स्थल पर लाया गया था। जिसे वहां पर रखने की तैयारी की जा रही थी लेकिन ग्रामीणों के आक्रोश के बाद उसे वापस ले जाना पड़ा। अब फिर से हुए सिरे से वही पर शराब दुकान खोलने की तैयारी होने लगी है। ग्रामीणों खेती के कार्य में व्यवस्त है इसका फायदा भी शासन उठा सकती है।

सरपंच के बेटे और बेटी ने कहा शराब दुकान की नो एंट्री

ग्राम भरर में श्रीमती कौशल्या साहू वर्तमान में सरपंच है। गांव में शराब दुकान खुलने पर उसके बेटे और बेटी ने भी विरोध जताया है। अपने माता पिता को बोला है कि शराब दुकान नहीं खुलना चाहिए। साथ ही सरपंच के पति ने भी कहा कि किसी भी हालात में गांव में शराब दुकान नहीं खुलने देंगे।

संक्षिप्त-खबर

पीड़ित महिला के साथ हुई मारपीट के मामले में चालान पेश करने के लिए पैसें की मांग करने वाले प्रधान आरक्षक अनिल सिंह अजगल्ले के विरुद्ध पुलिस अधीक्षक ने की सख्त कार्रवाई

बिर्रा (समय दर्शन)। पीड़िता की शिकायत आवेदन पत्र को गंभीरता से लेते हुए प्रधान आरक्षक को तत्काल थाना बिर्रा से हटाकर लाइन हाजिर किया, उनके विरुद्ध प्राथमिक जांच की कार्यवाही भी की जा रही है। थाना बिर्रा में पदस्थ प्रधान आरक्षक अनिल सिंह अजगल्ले जिसके द्वारा महिला पीड़िता के साथ हुई मारपीट के मामले में माननीय न्यायालय में चलान पेश करने के लिए पीड़िता से पैसे की मांग करना नहीं तो चलान में स्कूटनी निकलवाकर पेश नहीं करने संबंधी शिकायत मिलने पर, मामले की गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक ने तत्काल थाना बिर्रा से रक्षित केन्द्र स्थानांतरण किया गया।

रावतपुरा सरकार मेडिकल कॉलेज में उत्कर्ष पाण्डेय का चयन

जांजगीर (समय दर्शन)। उत्कर्ष पाण्डेय का चयन छत्तीसगढ़ कोटे में रावतपुरा सरकार मेडिकल कॉलेज नया रायपुर में एम बी बी एस पाठ्यक्रम में नीट की मेरिट द्वारा डी एम ई की चयन सूची से फ्री सीट पर हुआ है। इनकी स्कूली शिक्षा ज्ञान भारती अंग्रेजी माध्यम स्कूल जांजगीर से हुई है। इनके पिता डाक्टर आर सी पाण्डेय ज्ञान भारती स्कूल, पण्डित हरीशंकर एवं उत्कर्ष शिक्षा महा विद्यालय के संचालक हैं। इनके चयन पर डॉक्टर ओपी बिरथरे, डीपी साव, रघुराज पांडेय, दिनेश मिश्रा, दिलीप चतुर्वेदी, आर के जैन, सीमा कश्यप,आर के थवाईत, राजेंद्र गोयल, देवेन्द्र राठौर, गीतेश राठौर, रमा राठौर, लोकेश राठौर, कमल अग्रवाल, संजय पाण्डेय, जितेन्द्र तिवारी, संतोष साव, शशिकांत मिश्रा, एन के चतुर्वेदी,पवन शर्मा आदि ने अपार प्रसन्नता प्रकट करते हुए बधाई दिया है।

मतदाताओं से कलेक्टर की अपील

दुर्ग (समय दर्शन)। गत दिवस कमिश्नर श्री एस.एन. राठौर और कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य की प्रगति के संबंध में विस्तृत निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने जिले के सभी मतदाताओं से अपील की है कि समस्त मतदाता अपना गणना पत्रक अंतिम तिथि की प्रतीक्षा किए बिना शीघ्र भरकर अपने बीएलओ को सौंप दें। गणना पत्रक जमा करने के बाद बीएलओ द्वारा उसे ऑनलाइन अपलोड किया जाता है, जिसमें समय लगता है। अत: किसी भी असुविधा से बचने हेतु शीघ्र गणना पत्रक भरकर बीएलओ को अवश्य जमा करें।

बकायेदारों पर निगम का शिकंजा कसना शुरू, लाखों की राशि निगम कोष में जमा

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम द्वारा जल कर वसूली को लेकर चलाए जा रहे अभियान ने रफ्तार पकड़ ली है। लगातार बढ़ते बकायों को देखते हुए आयुक्त सुमित अग्रवाल ने राजस्व विभाग को सख्ती बरतने के निर्देश दिए हैं। इसी के तहत मंगलवार को निगम राजस्व टीम विभिन्न वार्डों में पहुंची और बकाया राशि नहीं जमा करने वालों के नल कनेक्शन विच्छेदन की कार्रवाई शुरू की।

उक्त अभियान के अंतर्गत उप-राजस्व निरीक्षक संजय मिश्रा एवं उनकी टीम ने आज वार्डों का निरीक्षण करते हुए बकायेदारों को नोटिस दिया तथा कर भुगतान के लिए बाध्य किया। इस दौरान कई नागरिकों ने तुरंत कर राशि जमा कर निगम कोष में सहयोग दिया।

सबसे पहले वार्ड क्रमांक 32 में पुष्पा देवी पति उम्मेद चंद जैन द्वारा ?41,517 की राशि चेक के माध्यम से जमा की गई, जिससे उनके जल-कर का लंबित भुगतान साफहुआ।

इसके अलावा वार्ड क्रमांक 34 में सुंदर फागुवा द्वारा ?10,480 नगद राशि बकाया कर के रूप में जमा कराई गई, जो नल कनेक्शन काटे जाने की नोटिस के बाद दी गई। इसी वार्ड में प्रहलाद साहू ने भी ?18,337 की राशि नगद में जमा कर निगम की कार्यवाही से राहत पाई। बढ़ते बकायों पर निगम चिंतित, नागरिकों से सहयोग की अपील

निगम प्रशासन ने कहा है कि जल आपूर्ति व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने एवं नागरिक सुविधाओं के विकास हेतु कर वसूली अत्यंत आवश्यक है। निगम के राजस्व में कमी आने से कार्यों की गति प्रभावित होती है, इसलिए समय पर जल-कर भुगतान करना प्रत्येक उपभोक्ता की जिम्मेदारी है।

राजस्व विभाग ने स्पष्ट किया है की जो उपभोक्ता बार-बार नोटिस देने के बाद भी भुगतान नहीं करेंगे, उनके नल कनेक्शन बिना किसी अतिरिक्त सूचना के विच्छेदित कर दिए जाएंगे।

कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने पंचायत विभाग अंतर्गत जिले के विकासमूलक कार्यों का किया समीक्षा

कलेक्टर ने अधिकारियो कर्मचारियों को कार्य पूर्ण करने के लिए दिया टाइम लिमिट

सारंगढ़-बिलाईगढ़(समय दर्शन)। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग से जिले के ग्रामीण अंचल के समग्र विकास के रुपरेखा का समीक्षा किया, जिसमें पीएम आवास ग्रामीण, स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत सामुदायिक और व्यक्तिगत शौचालय निर्माण, आंगनबाड़ी निर्माण, महतारी सदन निर्माण जल संरक्षण के लिए मोर गांव मोर पानी महा अभियान, सोखता गड्ढा, वृक्षारोपण, मनरेगा अंतर्गत पशु शेड, डबरी, कुआ निर्माण, तालाब गहरीकरण, कचरा पृथककरण, नाडेप, बिहान अंतर्गत विभिन्न रोजगारमूलक व्यवसाय के लिए लोन दिलाने से लेकर लखपति दीदी के रूप में उद्योगपति बनने तक के सफर में प्रत्येक स्टेज में आ रही बाधाओं पर चर्चा कर निरंतर अप्रारम्भ कार्यों को प्रारम्भ करने, अधूरे को शीघ्र पूरा करने और जो कार्य नहीं कर रहे उससे वसूलने की कार्यवाही करने के लिए समय सीमा निर्धारण किया है। इस अवसर पर जिले के सीईओ जिला पंचायत इंद्रजीत बर्मन, सभी सीईओ जनपद पंचायत, सभी एसडीओ ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, इंजीनियर टेक्निकल स्टॉफ आदि उपस्थित थे।

निर्माण कार्यों में डिजाइन, ईट, सीमेंट, छड़, में कमी पाए जाने पर दोषी को बशा नहीं जाएगा : कलेक्टर डॉ कन्नौजे

कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने कहा कि आंगनबाड़ी भवन सहित सभी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता होनी चाहिए। किसी प्रकार से डिजाइन, ईट, सीमेंट, छड़, आदि में कमी पाए जाने पर दोषी को बक्शा नहीं जाएगा। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिए कि, कोई भी काम में फर्जी दस्तावेज, लापरवाही और देरी नहीं करें। सभी समर्पित होकर केंद्र और राज्य सरकार के कार्य को पूर्ण कर अपने जिम्मेदारी का बखूबी परिचय देते हुए देश के विकास में 2047 विकसित भारत को साकार करने में महत्वपूर्ण योगदान दें। उन्होंने कहा कि हमारे देश की उन्नति बिना गांव के विकास से सम्भव नहीं है और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ऐसा विभाग है जो सभी विभागों के ग्रामीण अंचल के कार्य में समन्वयक के साथ साथ ग्रामीण अंचल के विकास का आधार स्तम्भ के रूप में काम करता है।

ग्राम करनौद में पुलिस अधीक्षक के उपस्थिति में महिला कमांडों टीम किया गया गठन

करनौद। जांजगीर चांपा जिला के बिर्रा थाना से 10 किलोमीटर दूर हसदेव नदी किनारे बसे ग्राम करनौद में महिला कमांडो का गठन किया गया। इस अवसर पर जांजगीर चांपा जिला के पुलिस अधीक्षक श्रीमान विजय कुमार पाण्डेय जी एवं बिर्रा थाना प्रभारी जयकुमार साहू जी उपस्थित होकर महिलाओं को कई महत्वपूर्ण जानकारी दी, जैसे वाहनों में ज्यादा सवारी, बच्चों को मोबाइल से दूर रखना, शराबियों को छुड़वाना आदि। यह जानकारी जांजगीर चांपा जिला के पुलिस अधीक्षक द्वारा दी गई, वही पुलिस अधीक्षक ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराया और अपील की कि ग्रामीण अपने गांव को नशामुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। साथ ही, साइबर अपराधों के प्रति भी जागरूक रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल थाना प्रभारी को देने की सलाह दी।इस दौरान महिला कमांडो ने शपथ ली कि वे गांव-गांव जाकर जागरूकता अभियान चलाएंगी और नशे के खिलाफ मजबूत मोर्चा खोलेंगी। समाज में जागरूकता बढ़ाने और नशामुक्त वातावरण तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में सराही जा रही है, ग्राम करनौद में महिला कमांडो का गठन करने के लिए लंबे समय से महिलाओं के बीच में चर्चा हो रहा था।

इस पर थानेदार पुलिस अधीक्षक श्रीमान विजय कुमार पाण्डेय एवं थाना प्रभारी जयकुमार साहू के द्वारा सभी महिला कमांडों टीम के सदस्यों को टोपी वितरण किया गया एवं महिलाओं की कमांडो का गठन किया। कमांडो का गठन करने का मुख्य उद्देश्य गांव को नशामुक्त करना है। सरपंच श्रीमती रेवती शैलेन्द्र डडसेना ने बताया कि गांव में नशा मुक्ति के लिए महिलाओं का समूह एकत्र हुआ है और आगामी दो-चार महीने में ही गांव को नशामुक्त कर दिया जाएगा।

इस अवसर पर जांजगीर चांपा जिला के पुलिस अधीक्षक श्रीमान विजय कुमार पाण्डेय,थाना प्रभारी जयकुमार साहू, सरपंच श्रीमति रेवती शैलेन्द्र डडसेना,उपसरपंच प्रतिनिधि रघुनाथ सारथी, प्रेस क्लब के अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद डडसेना, अधिवक्ता राजेंद्र डड़सेना, पंच रमाकांति डडसेना, किरण तिवारी, ज्योति यादव, सतीशचंद पटेल, मिथलेश यादव, शिव डडसेना, टेकराम सहीस, भोजराम, ग्राम के मनीष पटेल, राजकुमार डडसेना, शुभम् पटेल,निखिल, मंगल दास वैष्णव, सहित लगभग 200 महिलाएं उपस्थित रहीं।

गौवंश से अनैतिक कृत्य के आरोप में विरोध, राज्यपाल व गृह मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा

राजनांदगांव (समय दर्शन)। जूनीहटरी चौक क्षेत्र में गौवंश के साथ अनैतिक कृत्य किए जाने के आरोप को लेकर हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ताओं ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर कड़ा विरोध जताया। मंच की ओर से राज्यपाल एवं गृह मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते हुए फांसी देने की मांग की गई।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी ने 18 नवंबर 2025 को थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 17 नवंबर को जूनीहटरी क्षेत्र में एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा गौवंश के साथ अनैतिक कृत्य किए जाने की सूचना मिली। मामले की जांच के उपरांत पुलिस ने संदिग्ध आरोपी के रूप में शेख असलम (55 वर्ष), निवासी सिवनी, मध्य प्रदेश की पहचान होना बताया है। पुलिस के अनुसार प्रकरण दर्ज कर जांच आगे बढ़ाई जा रही है। हिंदू जागरण मंच के जिला संयोजक सुशील लड्ढा ने कहा कि घटना से सनातन समाज की आस्था को ठेस पहुंची है। उन्होंने आरोपी पर कठोरतम कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि जांच पूरी कर दोष सिद्ध होने पर फांसी दी जाए। ज्ञापन में घटना में प्रयुक्त वाहन की जप्ती संबंधी कार्रवाई भी मांग की गई है। ज्ञापन सौंपने पहुंचे कार्यकर्ताओं में प्रवीण शर्मा, सविता बोस, कमलेश साहू, कुबेर साहू, महेंद्र जंघेल, हरीश भानुशाली, संतोष टूरहटे, गोविंद साहू, जुगल गुप्ता, दिनेश झूलन, नीलू साहू, राज सोनकर, सुनील कुमार तिवारी, राजू कुमार साव, आनंद गुप्ता, राकेश श्रीवास, हेमलाल ढीमर, नितिन शुक्ला, मनोज गोलछा, रोहित तिवारी, ऋषभ मल, कुंदन, किरण, मौसमी शर्मा, मयूर टांक सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ज्ञानोदय विद्यालय में सागर राठौर सम्मानित किए गए

जांजगीर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा घोषित अंतिम परीक्षा परिणाम में ज्ञानोदय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जांजगीर के पूर्व छात्र सागर राठौर का चयन छत्तीसगढ़ अधीनस्थ लेखा सेवा अधिकारी के पद पर हुआ है। उनकी यह उपलब्धि विद्यालय एवं क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। सागर राठौर विद्यालय के प्रतिभाशाली और अनुशासित छात्रों में गिने जाते रहे हैं। उन्होंने कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए थे। उनकी मेहनत, दृढ़ निश्चय और निरंतर अभ्यास ने उन्हें इस सफलता तक पहुँचाया है।

छ ग अधीनस्थ लेखा सेवा अधिकारी जैसे प्रतिष्ठा पूर्ण पद पर उनके चयन से विद्यालय में

खुशियों का माहौल बन गया।

ज्ञानोदय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं समस्त शिक्षकों द्वारा विद्यालय परिसर में उनका स्वागत किया गया । विद्यार्थियों ने तालियों और फूल-मालाओं,रोली -तिलक से उनका अभिनंदन किया।

इसी दौरान, ज्ञानोदय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के पूर्व छात्र सागर राठौर ने अपनी सफलता के बारे में बताते हुए कहा कि उन्होंने नियमित अध्ययन, समय प्रबंधन और आत्मविश्वास को सफलता की कुंजी माना। उन्होंने बताया कि लक्ष्य निर्धारित कर रोजाना योजनाबद्ध तरीके से पढ़ाई करने से उन्हें परीक्षा में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त हुआ। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुरेश यादव ने भी सागर को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि उनके कठिन परिश्रम और निरंतर अध्ययन का परिणाम है। उन्होंने इस सफलता को विद्यालय, शिक्षकों और परिवार के संयुक्त प्रयासों का प्रतिफल बताया।सागर के सम्मान कार्यक्रम में विद्यालय की शिक्षिका श्रीमती चंचला मिश्रा ने भी उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि सागर की सफलता वर्तमान विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायी है। सागर राठौर की इस सफलता ने जांजगीर व आसपास के क्षेत्रों में प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति नई ऊर्जा और उत्साह भरा है।

सम्मान समारोह में संजू राठौर सहित शिक्षक - शिक्षिकाएं उपस्थित थे। संचालन एवं आभार प्रदर्शन शिक्षिका मीना यादव द्वारा किया गया।

अवैध निर्माण हटाने गई निगम टीम पर हमला, सरकारी वाहन में तोड़फोड़, थाने में शिकायत दर्ज

भिलाई (समय दर्शन)। नगर निगम भिलाई की अवैध निर्माण विरोधी कार्रवाई के दौरान नेहरू नगर में सोमवार को बड़ी घटना सामने आई। अवैध निर्माण तोड़ने पहुंची निगम की टीम पर कब्जाधारियों ने न सिर्फगाली-गलौज की, बल्कि अचानक हमला कर दिया। इसी दौरान जोन आयुक्त के सरकारी वाहन में भी जमकर तोड़फोड़ की गई। हमले के बाद से निगम कर्मचारियों में दहशत का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, जोन-1 नेहरू नगर क्षेत्र के वार्ड 49/12 में पुष्पा तिवारी पति राधेश्याम तिवारी द्वारा बिना अनुमति निर्माण किए जाने की शिकायत निगम तक पहुंची थी। छह महीने के भीतर भवन अनुज्ञा विभाग और जोन कार्यालय की ओर से कुल *7 बार नोटिस* जारी कर अवैध निर्माण रोकने और भवन की अनुमति लेने के निर्देश दिए गए थे। नोटिस में साफचेतावनी दी गई थी कि निर्माण नहीं रोका गया तो तोड़फोड़ की कार्रवाई की जाएगी।

आंगनबाड़ी सहायिका पद हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित

बेमेतरा (समय दर्शन)। जिले की एकीकृत बाल विकास परियोजना बेमेतरा अंतर्गत वर्तमान में नवीन स्वीकृत पद एवं रिक्त पद हेतु आ.बा. सहायिका के पद पर शासन द्वारा निर्धारित निर्देश एवं मानदंडों के अनुसार नियमानुसार नियुक्ति किया जाना हैं। इसके अंतर्गत एकीकृत बाल विकास परियोजना विकासखण्ड बेरला के ग्राम बेरलाकला आं.बा. केन्द्र बेरलाकला 02 मे आं.बा. सहायिका के 01 पद पर आवेदन आमंत्रित किया गया हैं। आवेदन संबंधित नगरीय की आवेदिकाओ द्वारा आवेदन पत्र भरकर निर्धारित तिथि में 20 नवंबर 2025 से 04 दिसंबर 2025 तक एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय बेरला में कार्यालयीन समय 10:00 से 5:30 बजे तक सीधे अथवा पंजीकृत डाक द्वारा जमा किये जायेगे। निर्धारित तिथि के पश्चात् प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किये जावेगे। आंगनबाड़ी सहायिका के पद हेतु निर्धारित न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 8 वीं परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए। आवेदिका की आयु 18 से 44 वर्ष के मध्य होना चाहिए। एक वर्ष या अधिक सेवा अनुभव रखने वाले अभ्यर्थियों को आयु सीमा में तीन वर्ष की छूट दी जाएगी। आवेदिका को ग्रामीण क्षेत्रों में उसी नगरी वार्ड की स्थानीय निवासी होनी चाहिए जिस वार्ड में आंगनबाड़ी केन्द्र के लिए विज्ञापन जारी हुआ है। तथा नगरीय क्षेत्र में उसी वार्ड की निवासी होनी चाहिए जिस वार्ड हेतु विज्ञापन जारी हुआ है। सभी आवश्यक दस्तावेजों की स्व-प्रमाणित प्रति के साथ आवेदन पत्र सम्बन्धित एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय में निर्धारित अंतिम तिथि तक सीधे अथवा पंजीकृत डाक के माध्यम से प्रस्तुत किया जा सकता है।

समय-सीमा बैठक के बाद कलेक्टर ने सुनी जनदर्शन में लोगों की समस्याएं

बेमेतरा (समय दर्शन)। कलेक्टर रणबीर शर्मा की उपस्थिति में मंगलवार को समय-सीमा की बैठक के बाद कलेक्टरेट के दृष्टि सभा कक्ष में जनदर्शन आयोजित की गई। जिसमें जिले के अलग-अलग क्षेत्र के लोग अपनी-अपनी मांग, समस्याएं एवं शिकायतें लेकर आये।

इस दौरान जनदर्शन में आने वाले सभी लोगों की समस्याओं का निराकरण भी किया गया। आज के जन चौपाल में कलेक्टर ने लोगों की समस्याओं को गौर से सुना और संबंधित अधिकारियों से दूरभाष पर और समक्ष बुलाकर संबंधित आवेदनों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। कुछ आवेदन मौके पर ही निराकरण किए गए। आज जनदर्शन में विभिन्न शिकायत एवं समस्याओं से संबंधित 24 आवेदन प्राप्त हुए। तात्कालिक महत्व की समस्याओं का जहां त्वरित निराकरण किया।

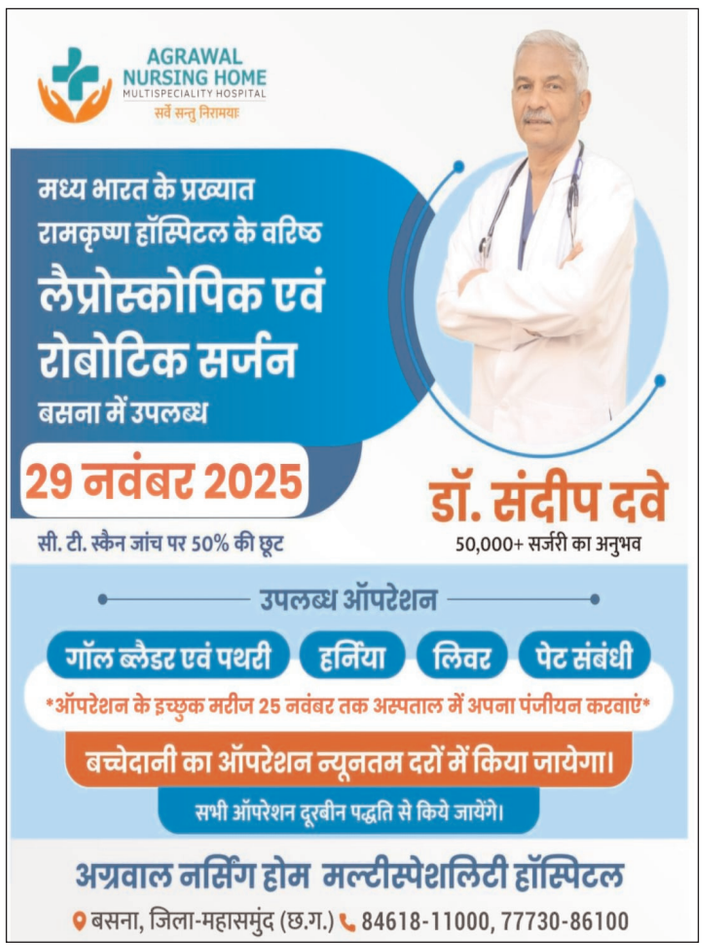

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26